राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार 30 जुलाई-2021 वर्ष-4, अंक - 187 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तिहाड़ जेल में सजा काट रहे अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन की तबीयत बिगड़ी, AIIMS में कराया गया भर्ती

नई दिल्ली। अंडरवर्ल्ड डॉन राजेंद्र निकलजे उर्फ छोटा राजन की तबीयत बिगड़ गई है, जिसके बाद उसे गुरुवार को नई दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि छोटा राजन ने पेट दर्द की शिकायत की, जिसके बाद उसे एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इससे पहले जब अप्रैल महीने में छोटा राजन कोरोना वायरस से ग्रसित हुआ था, तब भी उसे एम्स में ही एडमिट कराया गया था। फिलहाल, 61 वर्षीय छोटा राजन कई क्रिमिनल केसों में तिहाड़ जेल में सजा काट रहा है। साल 2015 में गिरफ्तारी और फिर इंडोनेशिया के बाली से प्रत्यर्पण के बाद से वह तिहाड़ जेल की हाई सिक्युरिटी वाली सेल में बंद है। गौरतलब है कि 61 वर्षीय छोटा राजन असली नाम राजेंद्र निकलजे है। उसके खिलाफ हत?या और जबरन वसूली सहित करीब 70 मामले दर्ज हैं। साल 2011 में हुई एक पत्रकार ज्योतिर्मय डे की हत?या के मामले में दोषी करार देते हुए छोटा राजन को 2018 में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। इसके साथ ही मुंबई में उसके खिलाफ लंबित सभी आपराधिक मामले सीबीआई को स्थानांतरित कर दिए गए थे और एक विशेष अदालत का गठन किया गया था।

पीएम मोदी ने वाइल्डलाइफ प्रेमियों को दी बधाई

बाघों के लिए सुरक्षित आवास सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता दोहराई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर वाइल्डलाइफ से जुड़े लोगों को बधाई दी है। साथ ही उन्होंने बाघों के लिए सुरक्षित आवास सुनिश्चित करने की देश की प्रतिबद्धता भी दोहराई। उन्होंने कहा, अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर, वन्यजीव प्रेमियों, विशेष रूप से बाघ संरक्षण के प्रति उत्साही लोगों को बधाई। विश्व स्तर पर बाघों की 70त्न से अधिक आबादी का घर, हम अपने बाघों के लिए सुरक्षित आवास सुनिश्चित करने और बाघों के अनुकूल इकोसिस्टम को पोषित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं। बता दें कि भारत में अब दुनिया भर में रहने वाले बाघों की कुल संख्या का लगभग 70 प्रतिशत बाघ रहते हैं।

पीएम मोदी ने आगे ट्वीट करते हुए

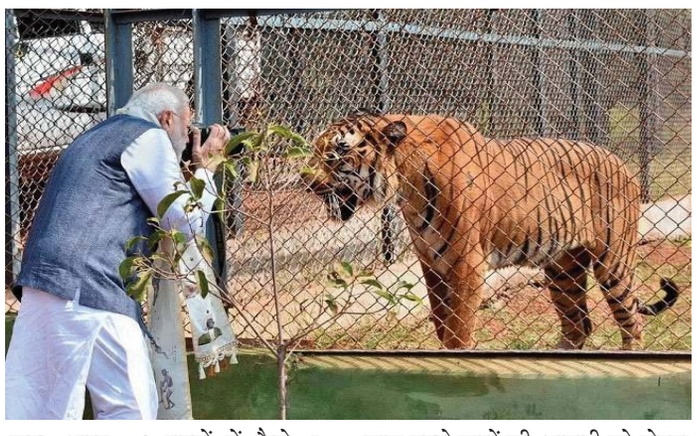

कहा, भारत 18 राज्यों में फैले 51 टाइगर रेसेर्वेस का घर है। 2018 की अंतिम बाघ गणना में बाघों की आबादी में वृद्धि देखी गई। भारत ने बाघ संरक्षण पर सेंट पीटर्सबर्ग घोषणा के समय से 4 साल पहले बाघों की आबादी को दोगुना करने का लक्ष्य हासिल किया। यहां आपको बता दें कि रूस में 2010 में बाघों के संरक्षण पर सेंट पीटर्सबर्ग घोषणा-पत्र में 2022 तक बाघों की संख्या दोगुना करने का संकल्प लिया गया था। रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में बाघ क्षेत्र वाले देशों के शासनाध्यक्षों ने बाघ संरक्षण पर सेंट पीटर्सबर्ग घोषणा पर हस्ताक्षर करके 2022 तक बाघ क्षेत्र की अपनी सीमा में बाघों की संख्या दोगुना करने का संकल्प लिया था। इसी बैठक के दौरान दुनिया भर में 29 जुलाई को वैश्विक बाघ दिवस के रूप में मनाने का भी निर्णय लिया गया।नरेंद्र मोदी ने आगे भारत की रणनीति के बारे में बात करते हुए कहा कि बाघ संरक्षण की भारत की रणनीति स्थानीय समुदायों को शामिल करने को सर्वोच्च महत्व देती है। हम सभी वनस्पतियों और जीवों के साथ सद्भाव में रहने के हमारे सदियों पुराने लोकाचार से भी प्रेरित हैं, जिनके साथ हम अपने ग्रेट ग्रह को साझा करते हैं।

उत्तर प्रदेश में डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया की अधिकारी डा. मुदित गुप्ता और आशीष विस्टा बताते हैं कि भारत में वन तथा वन्यजीवों को बचाने तथा इनके संरक्षण के लिए संरक्षित क्षेत्रों की स्थापना की गई है। वर्ष 2020 तक भारत में कुल 104 राष्ट्रीय उद्यान तथा 566 वन्य जीव अभयारण्य की स्थापना की जा चुकी थी। वे बताते हैं कि भारत के पहले राष्ट्रीय उद्यान 'हेली राष्ट्रीय उद्यान' (इसे आज कार्बेट राष्ट्रीय उद्यान के नाम से जाना जाता है) की स्थापना वर्ष 1936 में हुई थी, परंतु सही मायने में वर्ष 1973 में भारत सरकार की 'बाघ परियोजना' लागू होने के बाद संरक्षित क्षेत्रों के तंत्र में अधिक मजबूती आई।

भारत में अब दुनिया भर में रहने वाले बाघों की कुल संख्या का लगभग 70 प्रतिशत बाघ रहते हैं। पीएम मोदी ने आगे ट्वीट करते हुए कहा, भारत 18 राज्यों में फैले 51 टाइगर रेसेर्वेस का घर है। 2018 की अंतिम बाघ गणना में बाघों की आबादी में वृद्धि देखी गई। भारत ने बाघ संरक्षण पर सेंट पीटर्सबर्ग घोषणा के समय से 4 साल पहले बाघों की आबादी को दोगुना करने का लक्ष्य हासिल किया।

कश्मीर में बड़ी साजिश रच रहा पाक, ड्रोन हमले के बाद अब सुरक्षाबलों को आ रहे फेक कॉल

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में ड्रोन हमले के बाद से ही लगातार सुरक्षा एजेंसियों को फर्जी कॉल्स आना शुरू हो गया है। ये कॉल पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की ओर से की जा रही हैं। खुफिया सूत्रों के मुताबिक, सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तान की तरफ से भारतीय सुरक्षा बलों को की जा रही इन फर्जी कॉलों को लेकर अलर्ट जारी किया है। खबर के मुताबिक, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई लगातार इस पर विचार कर रही है कि वे वरिष्ठ अधिकारी बनकर भारतीय सुरक्षाबलों को की जा रही फर्जी कॉल्स की संख्या को बढ़ाएं। ये कॉल अलग-अलग नंबरों से आ रहे हैं और इनमें से बेहद कम ही ऐसे हैं, जिन्हें ट्रेस किया जा सकता है। खबर के मुताबिक, पश्चिमी सेक्टर में ड्रोन के खतरे के बाद अब इस तरह की फर्जी कॉलों ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता को बढ़ा दिया है। इससे पहले भी सुरक्षा एजेंसियों ने इस तरह की कॉल की जानकारी दी थी और इसपर एजेंसियों के लिए एडवाइजरी भी जारी की गई थी। अगले महीने स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर सुरक्षा एजेंसियों को इस तरह की फेक कॉल्स को लेकर अलर्ट रहने के लिए कहा गया है। साथ ही यह भी ध्यान रखने को कहा गया है कि किसी भी तरह की खुफिया जानकारी लीक न हो। बता दें कि जम्मू-कश्मीर

पुलिस ने 23 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय सीम के पास जम्मू के कनाचक इलाके में एक ड्रोन गिराया था। यह ड्रोन पाकिस्तान से भारत की सीमा में आया था। बीते महीने जम्मू एयरफोर्स स्टेशन के पास ड्रोन से विस्फोट हुआ था। इसमें पाकिस्तानी आतंकी संगठनों का हाथ बताया गया था। हालांकि, यह विस्फोट तेज नहीं था और इसमें कुछ जवान घायल हुए थे।

101 स्क्वाड्रन में में हुई लड़ाकू विमान राफेल की एंट्री, अब चीन को सबक सिखाना होगा आसान

नई दिल्ली। चीन के साथ जारी सीमा विवाद भारत अपनी ताकत को और बढ़ रहा है। भारतीय वायुसेना ने बढ़ा कदम बढ़ाते हुए पश्चिम बंगाल के हासीमारा वायुसैनिक अड्डे पर 101 स्क्वाड्रन में औपचारिक तौर पर राफेल लड़ाकू विमानों को शामिल कर लिया है। इस दौरान वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आर के एस भदौरिया भी मौजूद रहे। 101 स्क्वाड्रन वायुसेना की राफेल लड़ाकू विमानों से सुसज्जित दूसरी स्क्वाड्रन है। पिछले साल सितंबर में राफेल लड़ाकू विमानों को 17 'ग्लोबल ऐरो' स्क्वाड्रन में शामिल किया गया था।

वायु सैनिक अड्डे पर कर्मियों को संबोधित करते हुए वायुसेना प्रमुख भदौरिया ने कहा कि हासीमारा में राफेल विमानों को सुनियोजित रूप से तैनात किया गया है और ऐसा पूर्वी क्षेत्र में भारतीय वायुसेना की क्षमताओं को मजबूत करने के महत्व को ध्यान में रखते हुए किया गया है। भारत और चीन के बीच पिछले साल मई से ही पूर्वी लद्दाख में सीमा पर गतिरोध बना हुआ है। पूर्वोत्तर में चीन के साथ सिक्किम और अरूणाचल प्रदेश की सीमा लगती है। वायुसेना द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक हासीमारा में राफेल विमानों के आगमन के मौके पर एक फ्लाईपास्ट भी किया गया जिसके बाद परंपरागत रूप से नए लड़ाकू विमान को पानी की बौछार से सलामी दी गई।

वायु सैनिक अड्डे पर कर्मियों को संबोधित करते हुए वायुसेना प्रमुख भदौरिया ने कहा कि हासीमारा में राफेल विमानों को सुनियोजित रूप से तैनात किया गया है और ऐसा पूर्वी क्षेत्र में भारतीय वायुसेना की क्षमताओं को मजबूत करने के महत्व को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने लोकसभा में बताया कि भारत को फ्रांस की कंपनी दसां एविएशन से अब तक 36 में से 26 राफेल लड़ाकू विमान मिल चुके हैं। भदौरिया ने हासीमारा में अपने भाषण में 101 स्क्वाड्रन के स्वर्णिम इतिहास को याद किया जिसने फाल्कन्स ऑफ चंबा और अखनूर का शीर्षक हासिल किया है। राफेल विमानों की पहली स्क्वाड्रन हरियाणा के अंबाला वायुसेना स्टेशन पर तैनात है। भारत द्वारा लगभग 59,000 करोड़ रुपये की लागत से 36 विमानों की खरीद के लिए फ्रांस के साथ एक अंतर-सरकारी समझौते पर हस्ताक्षर करने के लगभग चार साल बाद, अत्याधुनिक पांच राफेल लड़ाकू विमानों की पहली खेप 29 जुलाई, 2020 को भारत पहुंची थी।

एंटीबॉडी की वजह से भी बन सकते हैं खून के थक्के, स्टडी में खुलासा

नई दिल्ली। कोविड-19 के गंभीर मामलों में दिखने वाली सूजन और खून के थक्के एंटीबॉडी के कारण हो सकते हैं। यह एंटीबॉडी फेफड़ों में अनावश्यक प्लेटलेट्स गतिविधि को सक्रिय करते हैं। ब्लड जर्नल में प्रकाशित अध्ययन बताता है कि कैसे हमारे शरीर द्वारा कोविड -19 से बचाव के लिए उत्पादित एंटीबॉडी प्लेटलेट्स के बढ़े हुए कार्य को सक्रिय कर रहे हैं, जिससे गंभीर बीमारी वाले रोगियों में खून के थक्के बन सकते हैं। ब्रिटेन में इंपीरियल कॉलेज लंदन के शोधकर्ताओं ने पाया है कि विभिन्न दवाओं से सक्रिय अवयवों का इलाज करके प्लेटलेट्स को इस तरह से प्रतिक्रिया करने से रोक पाना या कम करना संभव है। प्लेटलेट्स रक्त में पाई जाने वाली छोटी कोशिकाएं होती हैं जो रक्तस्राव को रोकने के लिए थक्के बनाती हैं, लेकिन असामान्य प्लेटलेट्स फंक्शन से गंभीर स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं हो सकती हैं, जैसे स्ट्रोक और दिल का दौरा। ब्रिटेन में यूनिवर्सिटी ऑफ रीडिंग के प्रोफेसर जॉन गिबिंस

ने कहा, अब तक, हमारे पास केवल इस बारे में धारणाएं थीं कि कोरोना संक्रमण के दौरान थक्के में शामिल प्लेटलेट्स को सक्रिय क्यों किया जा रहा था। एंटीबॉडी, जो कोरोना से संक्रमित कोशिकाओं को फैलने से रोकने के लिए बनती होती हैं, वही थक्के का कारण बनती हैं।

सुप्रीम कोर्ट में अगले माह और घट जाएगी जजों की संख्या, बढ़ेगा मुकदमों का बोझ

नई दिल्ली। कोरोना महामारी के दौरान में जहां लंबित मुकदमों की संख्या 3.5 करोड़ से बढ़कर 4.1 करोड़ हो गई है, वहीं जजों की संख्या में गिरावट आई है। इससे साफ है कि आने वाले दिनों में अदालतें मुकदमों के बोझ तले और दबेंगी। देश की सर्वोच्च अदालत में लगभग 60 हजार केस लंबित हैं, लेकिन यहां जजों की संख्या उत्तरोत्तर कम होती जा रही है। पिछले डेढ़ वर्ष में उच्चतम न्यायालय में एक भी न्यायाधीश की नियुक्ति नहीं हुई है। मौजूदा समय में शीर्ष अदालत में जजों की आठ रिक्तियां हैं। अगले माह 18 अगस्त तक यह संख्या बढ़कर दस हो जाएगी, क्योंकि दो जज जस्टिस आरएफ नरीमन और नवीन सिन्हा

देश की सर्वोच्च अदालत में लगभग 60 हजार केस लंबित हैं, लेकिन यहां जजों की संख्या उत्तरोत्तर कम होती जा रही है। पिछले डेढ़ वर्ष में उच्चतम न्यायालय में एक भी न्यायाधीश की नियुक्ति नहीं हुई है। मौजूदा समय में शीर्ष अदालत में जजों की आठ रिक्तियां हैं। अगले माह 18 अगस्त तक यह संख्या बढ़कर दस हो जाएगी

सेवानिवृत्त हो रहे हैं। इस प्रकार उच्चतम न्यायालय में 30 फीसदी से ज्यादा रिक्तियां हो जाएंगी। हाल के वर्षों में यह पहली बार होगा, जब शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों की दस रिक्तियां होंगी। सर्वोच्च अदालत में मुख्य न्यायाधीश समेत जजों के 34 पद स्वीकृत हैं। सूत्रों के मुताबिक उच्च न्यायालयों में जजों की नियुक्ति करने वाले चयन मंडल यानी कॉलेजियम की प्रभावी बैठक भी पिछले कई माह से नहीं हुई है। कॉलेजियम की जो भी बैठकें हुई हैं, उनमें न्यायाधीशों की नई नियुक्तियों के प्रस्ताव नहीं, बल्कि उच्च न्यायालय में पुरानी नियुक्तियों को ही स्थाई करने के प्रस्ताव पारित हुए हैं। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि नियुक्ति प्रक्रिया जल्द ही जोर पकड़ेगी। जजों के सभी पद भर लिए जाएंगे। देश के 25 उच्च न्यायालयों में 50 लाख से ज्यादा केस लंबित हैं। उच्च न्यायालय जजों के कुल स्वीकृत पदों के मुकाबले 59 फीसदी संख्या के साथ ही काम कर रहे हैं। यहां 449 जजों की रिक्तियां हैं, जो कुल संख्या का 41 फीसदी है। सबसे बुरी स्थिति निचली अदालतों की है, जहां खाली पदों की संख्या बढ़कर 6000 से ज्यादा हो गई है, जो कुल संख्या का 26 फीसदी है। निचली अदालतों में न्यायिक अधिकारियों के लगभग 26000 पद हैं। यहां लंबित मुकदमे भी सबसे ज्यादा 3.5 करोड़ हैं।

दिसंबर तक पांच करोड़ कोरोना डोज का उत्पादन

स्प्रिंग युक्त डिवाइस से लगेगा टीका

नई दिल्ली। देश को कोरोना का एक और टीका मिल सकता है। अहमदाबाद की फार्मा कंपनी जायडस कैडिला ने सेंट्रल ड्रग्स कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (सीडीएससीओ) से जायकोव-डी टीके को इमरजेंसी में इस्तेमाल की अनुमति के लिए आवेदन किया है।

सीडीएससीओ टीके को अनुमति देता है तो ये दुनिया का पहला डीएनए आधारित कोरोना टीका होगा। टीके को तैयार करने के लिए केंद्र सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी और आईसीएमआर ने जायडस कैडिला का सहयोग किया है।

जायडस कैडिला का टीका कोशिकाओं को कोड दे बनाएगा सुरक्षा कवच-जायकोव-डी टीके की डोज शरीर में जैसे ही जाएगी। टीका शरीर की कोशिकाओं को कोड देगा जिसके बाद शरीर में वायरस के बाहरी हिस्से जैसा दिखने वाला स्पाइक बनने लगेगा, शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता इसे खतरा मानकर एंटीबॉडी बनाना शुरू कर देगी और शरीर कोरोना से बचने को तैयार हो जाएगा। जायकोव-डी प्लाजमिड डीएनए वैक्सीन है जिसे वायरस के जेनेटिक के आधार पर तैयार किया गया है। इसमें इस्तेमाल किया गया जेनेटिक डीएनए का अणु फैल नहीं सकता है जिसे प्लाजमिड कहते हैं। वैक्सीन को बनाने में इस्तेमाल हुए प्लाजमिड में कोडिंग है जो शरीर में कोरोना के जैसा स्पाइक प्रोटीन बनाने के लिए निर्देशित करेगा।

खास बातें जो अन्य टीकों से अलग-

28 दिन के अंतराल पर तीन डोज

सीडीएससीओ टीके को अनुमति देता है तो ये दुनिया का पहला डीएनए आधारित कोरोना टीका होगा।

दुनियाभर में सबसे अधिक दो डोज वाले कोरोना टीके का इस्तेमाल अधिक हो रहा है। कुछ वैक्सीन सिंगल डोज वाली भी हैं। जायकोव-डी दुनिया का पहला टीका होगा जिसकी तीन डोज हर 28 दिन के अंतराल पर लगेगी।

सिरिंज से नहीं लगेगा ये टीका

इस टीके को लगाने के लिए सिरिंज का इस्तेमाल नहीं होगा। एक स्प्रिंग युक्त डिवाइस के जरिये इस टीके को लगाया जाएगा जिसके तहत खुराक सीधे त्वचा में चली जाएगी और अपना असर शुरू कर देगी।

टीके की तीन डोज क्यों?

जायडस का कहना है कि टीके की पहली दो डोज से कोरोना के गंभीर लक्षणों के साथ मौत के खतरे को कम किया जा सकता है। तीन डोज लेने वाले व्यक्ति को संक्रमण के कारण मॉडरेट लक्षण से भी बचाव होगा।

टीका कितना सुरक्षित और असरदार

जायकोव-डी टीके का पहले, दूसरे और तीसरे चरण में 28 हजार लोगों पर परीक्षण हुआ है। इसमें से हजारों लोगों की उम्र 12 से 18 वर्ष के बीच थी। दिसंबर 2020 में जायडस समूह के चेयरमैन डॉ. पंकज आर पटेल ने पहले और दूसरे चरण के परीक्षण का हवाला देते हुए कहा था कि टीका सुरक्षित और असरदार है।

डेल्टा वैरिएंट पर कारगर होगा टीका

देशभर में तीसरे चरण का परीक्षण कोरोना महामारी की दूसरी लहर के साथ 50 स्थानों पर चल रहा है। डॉ. पटेल बताते हैं कि सीरो सर्वे में सभी स्ट्रेन में से 99 फीसदी डेल्टा वैरिएंट का था। पूरी उम्मीद है कि टीका डेल्टा वैरिएंट के खिलाफ भी काम करेगा। अप्रैल, मई और जून में टीके के तीसरे चरण का परीक्षण हुआ है जब दूसरी लहर पीक पर थी। उन्होंने ये भी दावा किया है कि वैरिएंट के अनुसार टीके में बदलाव संभव है।

हर माह एक करोड़ डोज का उत्पादन

डॉ. पटेल बताते हैं कि टीके को अनुमति मिलती है तो हर वर्ष 12 करोड़ डोज का उत्पादन संभव है। इस अनुसार हर साल 40 लाख लोगों को टीके की तीन खुराक लग सकेगी। कंपनी नई उत्पादन यूनिट भी लगा रही है जो इस माह के अंत तक तैयार हो जाएगी जहां अगस्त के मध्य से उत्पादन शुरू हो जाएगा। हर महीने एक करोड़ डोज का उत्पादन होगा और उम्मीद है कि दिसंबर तक पांच करोड़ डोज मिल जाएगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

भीख की मजबूरी

भीख मांगने वालों के प्रति जिस श्रेष्ठ संवदेना का प्रदर्शन देश की सर्वोच्च अदालत ने किया है, वह न केवल स्वागत-योग्य है, बल्कि अनुकरणीय भी है। अदालत ने दोटूक कह दिया कि वह सड़कों से भिखारियों को हटाने के मुद्दे पर एलीट या संभ्रांत वर्ग का नजरिया नहीं अपनाएगी, क्योंकि भीख मांगना एक सामाजिक और आर्थिक समस्या है। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति एम आर शाह की बेंच ने कहा कि वह सड़कों और सार्वजनिक स्थलों से भिखारियों को हटाने का आदेश नहीं दे सकती, क्योंकि शिक्षा और रोजगार की कमी के चलते बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए ही लोग आमतौर पर भीख मांगने को मजबूर हो जाते हैं। अदालत का इशारा साफ था कि भीख मांगने पर प्रतिबंध लगाना ठीक नहीं होगा और इससे भीख मांगने की समस्या का समाधान नहीं होगा। याचिकाकर्ता को शायद उम्मीद थी कि सर्वोच्च अदालत सड़कों-चौराहों पर लोगों को भीख मांगने से रोकने के लिए कोई आदेश या निर्देश देगी। अदालत ने समस्या की व्याख्या जिस संवेदना के साथ की है, वह गरीबी हटाने की दिशा में आगे के फैसलों के लिए बहुत गौरतलब है। अदालत ने पूछा कि आखिर लोग भीख क्यों मांगते हैं? गरीबी के कारण ही यह स्थिति बनती है। यह सोचने में बहुत अच्छा लगता है कि सड़कों पर कोई भिखारी न दिखे, लेकिन सड़कों से भिखारियों को हटाने से क्या गरीबी दूर हो जाएगी? क्या जो लाचार हैं, जिनके पास आय का कोई साधन नहीं, क्या उन्हें मरने के लिए छोड़ दिया जाएगा? जस्टिस चंद्रचूड़ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील चिन्मय शर्मा से यह भी कहा कि कोई भीख नहीं मांगना चाहता। मतलब, सरकार को भीख मांगने की समस्या से अलग ढंग से निपटना होगा। इसमें कोई शक नहीं कि सरकार असंख्य भारतीयों तक नहीं पहुंच पा रही है। मुख्यधारा से छिटके हुए वंचित लोग भीख मांगने को विवश हैं। ऐसे लोगों तक जल्दी से जल्दी सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचना चाहिए। जहां तक चौराहों पर भीख की समस्या है, तो स्थानीय प्रशासन इस मामले में कदम उठा सकता है। सड़क पर भीख मांगने वालों को सचेत किया जा सकता है कि वे किसी सुरक्षित जगह पर ही भीख मांगने जैसा कृत्य करें। भीख मांगना अगर सामाजिक समस्या है, तो समाज को भी अपने स्तर पर इस समस्या का समाधान करना चाहिए। समाज के आर्थिक रूप से संपन्न और सक्षम लोगों को स्थानीय स्तर पर सरकार के साथ मिलकर भीख जैसी मजबूरी का अंत करना चाहिए। बहरहाल, सर्वोच्च अदालत ने कोविड-19 महामारी के मद्देनजर भिखारियों और बेघर लोगों के पुनर्वास और टीकाकरण का आग्रह करने वाली याचिका पर मंगलवार को केंद्र और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी करके उचित ही जवाब मांगा है। याचिका की प्रशंसा की जानी चाहिए कि उसमें महामारी के बीच भिखारियों और बेघर लोगों के पुनर्वास, उनके टीकाकरण, आश्रय व भोजन उपलब्ध कराने का प्रशंसनीय आग्रह किया गया है। वाकई भीख मांगने वाले और बेघर लोग भी कोविड-19 के संबंध में अन्य लोगों की तरह चिकित्सा सुविधाओं के हकदार हैं। केंद्र सरकार के साथ तमाम राज्य सरकारों को स्वास्थ्य और रोजगार का दायरा बढ़ाना चाहिए, ताकि जो बेघर, निर्धन हैं, उन तक मानवीयता का एहसास पुरजोर पहुंचे।

'आज के ट्वीट

आघात

'फिल्में' अब 'सेंसर बोर्ड' नहीं 'सनातनद्दबोर्ड' पास करें ताकि हमारी सनातन संस्कृति पर आघात न हो.

-- सोनू निगम

समिट समिट जल भरहिं तलावा

- डॉ. दिनेश प्रसाद मिश्र

भयंकर गर्मी से जूझ रही मानवता को निजात दिलाने के लिए वर्षा ऋतु जल की अगाध राशि लेकर आयी है, किंतु हमारा समाज और हमारी सरकारी व्यवस्था इस प्रतिदान को सहेजने समेटने के लिए तैयार नहीं दिखती है। पानी की एक-एक बूंद को तरसने वाला समाज वर्षा जल को सहेजने के लिए तैयार नहीं है। उच्चतम न्यायालय ने शुद्ध पर्यावरण और पानी को मूल अधिकारों के अंतर्गत रखते हुए प्रत्येक व्यक्ति को उन्हें उपलब्ध कराने की बात कही है किंतु व्यवहार में कहीं भी यह परिलक्षित नहीं हो रहा। वर्षा का जल पूर्व की भांति बह कर नदी नालों के माध्यम से समुद्र में पहुंच जा रहा है, जब कि आवश्यकता थी कि उसकी एक एक बूंद को संरक्षित कर आवश्यकतानुसार लोगों को रूप से उपलब्ध कराया जाता। साथ ही जल की पर्याप्त उपलब्धता से ऐसी स्थिति बनती कि प्रकृति के कण-कण को उसकी आवश्यकता अनुसार सुलभ होता। वर्षा जल को भली-भांति न सहेजने के कारण ऐसा संभव नहीं हो पा रहा है। संरक्षित न किए जाने के कारण भूगर्भ का जलस्तर निरंतर गिरता जा रहा है। देश के 256 जिलों के 1592 विकास खंडों से भूगर्भ जल लगातार रसातल की ओर जा रहा है । एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन के अनुसार दुनिया के सर्वाधिक 30 प्रदूषित शहरों की सूची में 21 भारतीय शहर शामिल हैं। शीर्ष 10 की सूची में छह भारतीय शहर हैं । इस सूची में उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद को सर्वाधिक प्रदूषित शहर माना गया है। वर्ष 2019 में पीएम 2.5 की सांद्रता 110.2 थी, जो अमेरिकी पर्यावरण सुरक्षा एजेंसी की तरफ से तय मानक से 9 गुना ज्यादा थी। वायु प्रदूषण के कारण वर्ष 2019 में भारत में 16.7लाख से भी ज्यादा लोग असमय काल के गाल में समा गए। यह देश भर में हुई कुल मौतों का 17.8 प्रतिशत था।इसका मूल कारण भूगर्भ के जल को संरक्षित करने और उसके उन्नयन हेतु किसी भी प्रकार का कोई प्रयास न कर उसका अंधाधुंध दोहन किया जाना है। इससे भूगर्भ के जल स्तर में जहां एक और निरंतर गिरावट होती जा रही है, वहीं दूसरी ओर जल की कमी से उसमें जीवन के लिए आवश्यक खनिजों के अभाव के साथ-साथ जीवन तथा स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाले पदार्थ अप्रत्याशित रूप से बढ़कर दूषित पानी के साथ शरीर में पहुंचकर नाना प्रकार की व्याधियों को जन्म देते हुए जीवन के समक्ष प्रश्न चिन्ह खड़ा कर देते हैं। जल वायु मिट्टी व भूगर्भ जल के प्रदूषित होने का दुष्प्रभाव जहां लोगों की सेहत पर पड़ रहा है वहीं अर्थव्यवस्था की सेहत भी खराब हो रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार वायु प्रदूषण की वजह से हुई असमय मौतों और बीमारियों के कारण वर्ष 2019 में भारत को 2.6 लाख करोड़ रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ। यह सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी का 1.4 फ़ीसदी रहा। भारत में पर्यावरण को होने वाले सालाना नुकसान की कीमत 3.75 लाख करोड़ रुपये बैठती है। जल प्रदूषण से स्वास्थ्य लागत करीब 610 अरब अरब रुपये सालाना है। शुद्ध जल साफ सफाई और स्वच्छता के अभाव में हर साल चार लाख लोग मारे जाते हैं। जल जनित बीमारियों के चलते विश्व में पांच साल से कम आयु के करीब 15 लाख बच्चों की मौत होती है और 20 करोड़ काम के दिनों का हर साल नुकसान होता है । जल गुणवत्ता सूचकांक में 122 देशों की सूची में भारत तीसरा सबसे खराब देश है।। संसद में दी गई सूचना के अनुसार दिल्ली के कुल 11 जिलों में से 7 जिलों के भूगर्भ जल में अत्यधिक मात्रा में फ्लोराइड पाया गया है, 8 जिलों में नाइट्रेट की मात्रा अधिक है तो 2 जिलों में आरसैनिक और शीशा की मात्रा बढ़ी हुई पाई गई है। देश के अन्य हिस्सों की बात करें तो 386 जिलों के भूगर्भ जल में अत्यधिक नाइट्रेट पाया गया है, जबकि 335 जिलों में फ्लोराइड की मात्रा अधिक थी, 301 जिलों में आयरन, 153 जिलों में आरसैनिक, 93 जिलों में शीशा ,30 जिलों में क्रोमियम तथा 24 जिलों में कैडिमम अत्यधिक मात्रा में पाया गया है। देश के लगभग 70% घरों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं है। लोग प्रदूषित पानी पीने के लिए बाध्य हैं,जिसके चलते लगभग 4 करोड़ लोग प्रतिवर्ष प्रदूषित पानी पीने से बीमार होते हैं तथा लगभग 6 करोड लोग फ्लोराइड युक्त पानी पीने के लिए विवश हैं। देश में प्रतिवर्ष लगभग चार हजार अरब घन मीटर पानी वर्षा के जल के रूप में प्राप्त होता है किंतु उसका लगभग 8% पानी ही हम संरक्षित कर पाते हैं। शेष पानी नदियों ,नालों के माध्यम से बहकर समुद्र में चला जाता है। हमारी सांस्कृतिक परंपरा में वर्षा के जल को संरक्षित करने पर विशेष ध्यान दिया गया था, जिसके चलते स्थान स्थान पर पोखर ,तालाब, बावड़ी, कुआं आदि निर्मित कराए जाते थे , जिनमें वर्षा का जल एकत्र होता था तथा वह वर्ष भर जीव-जंतुओं सहित मनुष्यों के लिए भी उपलब्ध होता था। अब वैज्ञानिक प्रगति के नाम पर इन्हें संरक्षण न दिए जाने के कारण अब तक लगभग चार हजार, 500 नदियां तथा 20 हजार तालाब झील आदि सूख गए हैं तथा वह भू माफिया के अवैध कब्जे का शिकार होकर अपना अस्तित्व गवा बैठे हैं। देश की बड़ी-बड़ी नदियों को जल की आपूर्ति करने वाली उनकी सहायक नदियां वैज्ञानिक प्रगति के नाम पर अपना अस्तित्व गवा बैठी हैं। जो कुछ थोड़े बहुत जल स्रोत आज उपलब्ध हैं,उनमें से अनेक औद्योगिक क्रांति की भेंट चढ़ चुके हैं। फलस्वरूप उनके पानी में औद्योगिक फैक्ट्रियों से निकलने वाले गंदे पानी में कचरे के मिल जाने से उन का जल इतना प्रदूषित हो गया है कि उसको पीना तो बहुत दूर, स्नान करने पर भी अनेक रोगों से ग्रस्त हो जाने का खतरा विद्यमान है। भारत की कृषि पूर्णतया वर्षा जल पर निर्भर है। वर्षा पर्याप्त होने पर सिंचाई के अन्य साधन सुलभ हो जाते हैं किंतु वर्षा न होने पर सभी साधन जवाब दे देते हैं और कृषि सूखे का शिकार हो जाती है। चीनी उत्पादक महाराष्ट्र एवं उत्तर प्रदेश के किसान निरंतर गन्ने की खेती पर बल दे रहे हैं और सरकार भी गन्ना उत्पादन के लिए उन्हें प्रोत्साहित कर रही है ।इसी प्रकार धान की खेती के लिए पंजाब, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश इत्यादि अनेक राज्य धान की फसल का क्षेत्रफल निरंतर बढ़ाते जा रहे हैं किंतु उसके लिए पानी प्राप्त न होने के कारण वह पानी भूगर्भ से निकाल कर खेतों को सींचा जा रहा है। इससे भूगर्भ में स्थित जल का स्तर निरंतर गिरता जा रहा है, जिस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा। स्पष्ट है कि जल प्रदूषण के अनेक स्रोत हैं जो सामूहिक रूप से जल को प्रदूषित करते हैं। शहरीकरण के परिणाम घरेलू सीवेज, अनियंत्रित तथा हरित क्रांति के परिणामस्वरूप पानी पर अवलंबित खेती एवं औद्योगिक अपशिष्ट तथा कृषि कार्यों में अत्यधिक प्रयोग में लाए गए कीटनाशक ,जल में घुल मिलकर भूगर्भ के जल को अत्यधिक मात्रा में प्रदूषित कर रहे है। इससे निजात पाने के संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान यह घोषणा की थी कि पुनः सत्ता में आने पर खेती को पानी तथा हर घर को सन 2024 तक नल के माध्यम से पीने का पानी उपलब्ध कराया जायेगा। इस बात को दृष्टि में रखते हुए हर खेत को पानी के साथ हर घर को भी नल के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने तथा सूख रही नदियों को पुनर्जीवित करने, नदियों में विद्यमान प्रदूषण को समाप्त करने तथा स्वच्छ जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने ,के उद्देश्य से जल शक्ति मंत्रालय का गठन किया गया है।

जल शक्ति मंत्रालय द्वारा जन सहयोग के साथ सरकारी व्यवस्था के अंतर्गत जल संरक्षण योजना को मूर्त रूप देने का कार्य विचाराधीन है ।संभव है वह निकट भविष्य में मूर्त रूप ले। स्पष्ट है कि विद्यमान जल को प्रदूषण मुक्त कर पीने योग्य बनाये रखने हेतु भूगर्भ के जल स्तर का उन्नयन, उसका संभरण तथा संरक्षण अति आवश्यक है और यह तभी संभव है जब वर्षा जल की एक एक बूंद एकत्रित होकर भूगर्भ में समाहित हो जाए ।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ज्ञान गंगा

योग

श्रीराम शर्मा आचार्य

भारतीय अध्यात्म विद्या के जानकारों ने चार प्रकार के योग माने हैं- मंत्रयोग, हठयोग, लययोग, राजयोग। मंत्रयोग में किसी मंत्र के सहारे चित्त को एकाग्र किया जाता है। किसी मंत्र का उच्चारण करने तथा उसके अर्थ की भावना करने से साधक का मन संसार के विभिन्न विषयों से खिंचकर एक लक्ष्य की ओर लग जाता है। मंत्रयोग आत्मा की परोक्ष अनुभूति कराने का अन्यतम उपाय है। चेतन सत्ता को अपने से पृथक मानकर उसकी आराधना की जाती है। मंत्रयोग भक्ति का एक रूप है। जब ध्यान करने वाले और ध्येय में अत्यंत घनिष्ठता हो जाती है तो उनका एक्य हो जाता है। अपने ही स्वरूप की अपने से पृथक कल्पना करके उस तक पहुंचने की चेष्टा मंत्रयोग द्वारा की जाती है। दूसरा हठयोग है। हठयोग में व्यक्ति प्रयत्नपूर्वक अपने आपको बाहरी विषयों और विचारों से अलग करना चाहता है। आत्मा से पृथक प्रत्येक पदार्थ से विचारों को अलग करने की चेष्टा हठयोग में होती है। हठयोग द्वारा आत्मा की संबंध सत्ता की अनुभूति होती है क्योंकि जब हम अपनी मनोवृत्तियों का सदा नियंत्रण करते रहते हैं तो हमें ज्ञान हो जाता है कि हम वृत्तियों से पृथक कोई स्वतंत्र पदार्थ हैं। पहले-पहले मन जिस विषय से प्रयत्न करने पर भी नहीं हटता, उसी विषय पर हठयोग का अभ्यास करने से शीघ्रता से हट जाता है। मान लीजिए, हमारा मन बार-बार किसी प्रकार की खाने की वस्तु में जाता है, हठयोग द्वारा मन को उस वस्तु के प्रति उदासीन किया जा सकता है। स्वामी रामतीर्थ को सेब से बड़ा प्रेम था। जब सेब को देखते तो उनका मन और सब बातें भूलकर उसी का चिन्तन करने लगता था। इस प्रकार मन के चंचल हो जाने से विचार में विक्षेप हो जाता था। इस कमजोरी को दूर करने के लिए उन्होंने एक सेब खरीदा और उसे अपने पढ़ने की मेज के ऊपर सामने ही रख लिया। प्रतिदिन उसकी ओर टकटकी लगाकर देखते थे। इस प्रकार आठ दिन तक उन्होंने उसकी ओर देखा। फिर जब वह सूख गया तो उसे उठाकर फेंक दिया। इस प्रकार उन्होंने एक महीने तक अभ्यास किया और कई सेवों को सड़ाकर फेंका। इसके बाद उनके मन में सेब की बात कभी नहीं आती थी। बार-बार वृत्तियों पर विजय प्राप्त करने से वे शिथिल हो जाती हैं और मन वश में हो जाता है।

आज का राशिफल

मेष कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं। वाद-विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मिथुन बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। मन प्रसन्न होगा। जारी प्रयास सार्थक होंगे। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। प्रणय संबंध मधुर होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। मांगलिक कार्य में हिस्सेदारी होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता से आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। व्यर्थ की उलझने रहेंगी।

वृश्चिक आर्थिक योजना को बल मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

धनु गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक दिशा में किए जा रहे प्रयास सफल होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मकर जीविका की दिशा में उन्नति होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धन हानि की संभावना है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

राज्यों के बीच रुके आपसी कलह

- आर.के. सिन्हा

जब भारत-चीन की सीमा पर दोनों देशों की सेनाएं युद्ध के लिए तैयार हैं और पाकिस्तान भी सरहद पार से लगातार गोलीबारी और अन्य हथियारों से भारत को उकसाने की चेष्टा करने से बाज नहीं आ रहा है, तब असम-मिजोरम सीमा पर हुई हिंसक झड़प से सारा देश सहम गया है। इस झड़प में असम पुलिस के 5 जवानों की मौत हो गई। देश के दो राज्य दुश्मनों की तरह से लड़े-झगड़ें, यह सर्वथा अस्वीकार्य है। देश यह स्थिति किसी भी परिस्थिति में सहन नहीं कर सकता। केन्द्र सरकार को तत्काल कठोर कदम उठाने होंगे ताकि इस तरह के अत्यंत गंभीर मामले फिर कभी सामने न आएं। भारत के आठ पूर्वोत्तर राज्यों क्रमशः असम, मेघालय, मिजोरम, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, त्रिपुरा और सिक्किम के बीच आपसी विवाद देशहित में कतई नहीं होंगे। इनमें से कुछ पूर्वोत्तर राज्यों की सीमाएं चीन, म्यांमार, भूटान, बांग्लादेश वगैरह से सीधी लगती हैं। इन राज्यों पर लंबे समय से चीन की नजर है और वहां अशांति फैलना चाहता है। यानी स्थिति नाजुक है। इसे हाथ से निकलने से पहले ही काबू में करना होगा। देश आजाद होने के बाद से विभिन्न राज्यों के बीच पानी के बंटवारे से लेकर अन्य मसलों पर अबतक विवाद हो ही रहे हैं। पर कभी भी स्थिति इतनी विकट नहीं हुई जितनी इसबार हुई। भारत एक है और सदैव एक रहेगा भी। हम चाहे किसी भी राज्य में पैदा हुए हों और आज के दिन कहीं भी रह रहे हों, हैं तो हम सभी भारत माता की संतान ही न ? फिर अपनों से ही ऐसा व्यवहार क्यों ? इस बिन्दु को समझना होगा। बेलगाम को लेकर महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच सन 1956 से ही सीमा विवाद चल रहा है। बेलगाम मराठी बहुल इलाका है। लेकिन, कर्नाटक राज्य में आता है। महाराष्ट्र के सभी दल बेलगाम और आसपास के इलाकों को महाराष्ट्र में मिलाने या केंद्र शासित घोषित करने की मांग करते रहे हैं। बेलगाम में बड़ी संख्या में मराठी भाषी लोग रहते हैं। फिलहाल यह कर्नाटक में है। महाराष्ट्र और कर्नाटक में लंबे समय तक केन्द्र के साथ कांग्रेस की ही सरकारें रहीं। फिर भी बेलगाम का मसला सुलझ नहीं पाया। इसका कोई स्थायी हल खोजना होगा। आपस में लड़ने-झगड़ने वाले राज्यों को महाराष्ट्र-गुजरात के मधुर संबंधों से सीख लेनी होगी। भाषाई आधार पर महाराष्ट्र और गुजरात दो राज्य 1 मई, 1960 को देश के नक्शे पर आए। पहले दोनों बॉम्बे स्टेट के अंग थे। पर ये दोनों राज्य बाकी राज्यों के लिए उदाहरण पेश करते हैं, जिनमें आपस में किच-किच चलती रहती है। भारत की आर्थिक प्रगति का रास्ता इन दोनों ही राज्यों से ही होकर गुजरता है। अगर गुजरात की बात करें तो इसकी उत्तरी-पश्चिमी सीमा पाकिस्तान से लगी है। गुजरात का क्षेत्रफल 1,96,024 वर्ग किलोमीटर है। यहाँ मिले पुरातात्विक अवशेषों से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस राज्य में मानव सभ्यता का विकास 5 हजार वर्ष पहले हो चुका था। मध्य भारत के सभी मराठी भाषा के स्थानों का विलय करके एक राज्य बनाने को लेकर बड़ा आंदोलन चला और 1 मई, 1960 को कोंकण, मराठवाड़ा, पश्चिमी महाराष्ट्र, दक्षिण महाराष्ट्र, उत्तर महाराष्ट्र तथा विदर्भ सभी संभागों को जोड़कर महाराष्ट्र राज्य की स्थापना की गई। लेकिन, इस पुनर्गठन के बाद से गुजरात और महाराष्ट्र के बीच कभी कोई विवाद नहीं हुआ। अब बात हरियाणा और दिल्ली कर लें। पानी के मुद्दे को लेकर हरियाणा पर अरविंद केजरीवाल और उनकी दिल्ली सरकार आरोप लगाती रहती है। आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता ही रहता है। दिल्ली सरकार के पानी न दिए जाने के आरोप लगाए जाने के बाद हरियाणा सरकार भी मैदान में उतरती है। वह आंकड़े पेश करके बताती है कि दिल्ली सरकार के सारे आरोप गलत हैं। हरियाणा सरकार कहती है कि दिल्ली में पानी की कमी पूरी तरह से उनका आंतरिक मामला है। इसमें हरियाणा की कोई भूमिका नहीं है। दरअसल केजरीवाल अपनी नाकामियों और निकम्मेपन को छिपाने के लिए हरियाणा सरकार पर बरसते रहते हैं। अब उन्हें कोई गंभीरता से भी नहीं लेता। आप जानते हैं कि भाषाई आधार पर ही पंजाब से हरियाणा निकला था। पर उत्तर भारत के इन दोनों राज्यों में अभी भी जल के बंटवारे से लेकर किसकी है चंड़ीगढ़, के सवाल पर तीखा विवाद होता रहता है। लेकिन, दोनों राज्यों की जनता के बीच में कमाल का प्रेम और भाईचारा है। अब भी दोनों राज्यों के पुराने लोग उस दौर को याद करते हैं जब हरियाणा अंग था पंजाब का। हरियाणा की पंजाबी बिरादरी बहुत प्रभावशाली है। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर स्वयं पंजाबी बिरादरी से हैं। तमिलनाडु और कर्नाटक का कावेरी जल विवाद 120 सालों तक चला। इस विवाद का साल 2018 में हल निकल गया जब सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में तमिलनाडु के पानी का हिस्सा घटा दिया था। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से कुछ पहले बैंगलुरू में कावेरी जल बंटवारे का विवाद सड़कों पर आ गया था। बैंगलुरू में तमिलों के साथ मारपीट हुई थी। छत्तीसगढ़ और उड़ीसा की जीवनदायनी महानदी के जल के बंटवारे के मसले पर भी दोनों राज्यों के बीच तलवारें खींची रहती हैं। उधर, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के बीच भी अब विवाद होने लगा है। जब चंद्रबाबू नायडू आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री थे तब उनका तेलंगाना के मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव से छत्तीस का ही आंकड़ा रहा। यह न होता तो ज्यादा ठीक रहता। दोनों एक-दूसरे से बात तक नहीं करते थे। पृथक तेलंगाना को लेकर चलने वाले आंदोलन के समय से ही आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के नेताओं और जनता में दूरियां बढ़ने लगी थीं। असम-मिजोरम विवाद पर केन्द्र सरकार फौरन हरकत में आ गई है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह सारे मामले पर दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों से बात कर रहे हैं। सरकार को तेजी से सामरिक महत्व के राज्यों के बीच सीमा विवादों के स्थायी हल ढूंढ़ने होंगे। सरकार को उन तत्वों पर कठोर एक्शन लेने में देर नहीं करनी चाहिए जो विवादों को खाद-पानी देते हैं। लोकतंत्र में विवाद वार्ता से हल हो जाएं तो सबसे अच्छी बात है। पर अगर जरूरत पड़े तो केन्द्र सरकार को सख्ती भी बरतनी होगी।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

सोने में 382 रुपये और चांदी में 1,280 रुपये की तेजी

नयी दिल्ली, सोने की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उछाल आने के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोना 382 रुपये की तेजी के साथ 46,992 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। सोने का पिछला बंद भाव 46,610 रुपये प्रति 10 ग्राम था। इसी तरह, चांदी भी 1,280 रुपये की तेजी के साथ 66,274 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। इसका पिछला बंद भाव 64,994 रुपये था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल के अनुसार, ''कॉमेक्स में सोने में आई कल रात की तेजी को दर्शाता दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत में 382 रुपये की तेजी आई।'' विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में सुबह के कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया अपरिवर्तित रुख के साथ खुला और बाद में डॉलर के मुकाबले रुपये में चार पैसे का सुधार आया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना लाभ दर्शाता 1,817 डॉलर प्रति औंस हो गया जबकि चांदी मामूली तेजी के साथ 25.42 डॉलर प्रति औंस हो गया। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशल सर्विसेज के जिंस शोध विभाग के उपाध्यक्ष नवनीत दमानी ने कहा, ''अमेरिकी फेडरल गवर्नर का ताजा बयान था कि ब्याज दर में वृद्धि किये जाने के बारे में नहीं सोचा जा रहा है। उनके इस बयान के बाद सुरक्षित आस्ति के रूप में डॉलर पर दबाव बढ़ गया।''

नोएडा ने सेक्टर 62 में अडानी एंटरप्राइजेज को 34,275 वर्ग मीटर भूखंड आवंटित किया

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण ने डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए अडानी एंटरप्राइजेज को 103.41 करोड़ रुपये में 34,275 वर्ग मीटर का एक भूखंड आवंटित किया है। यह निवेश और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए आईटी और आईटीईएस क्षेत्रों में नोएडा में संस्थागत सेवाओं की स्थापना के लिए उत्तर प्रदेश की नीति का हिस्सा है। एक अधिसूचना के अनुसार, अडानी एंटरप्राइजेज नोएडा के सेक्टर 62 में आगामी सुविधा के भीतर 2,400 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, जिससे 1,350 लोगों के लिए रोजगार पैदा होगा।इसके अलावा, नोएडा प्राधिकरण ने आईटी सुविधा के लिए एमएक्यू इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को सेक्टर 145 में एक और 16,350 वर्ग मीटर भूमि पार्सल आवंटित किया है। इससे नोएडा प्राधिकरण को 33.90 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ होगा और कंपनी परियोजना के विकास के लिए 250 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इससे 2500 लोगों को रोजगार मिलेगा। इन दो आवंटन में नोएडा प्राधिकरण को 2,650 करोड़ रुपये की निवेश क्षमता और 3,850 व्यक्तियों को रोजगार के साथ 137.31 करोड़ रुपये का राजस्व मिलेगा। प्राधिकरण ने उत्तर प्रदेश में वित्त पोषण और रोजगार को बढ़ावा देने की तकनीक के तहत 13 निगमों को लगभग 20 लाख वर्ग फुट व्यावसायिक भूमि आवंटित की थी। हाल ही में, नोएडा प्राधिकरण ने जेवर में आने वाले विश्वव्यापी हवाई अड्डे के निकट ज्ञान केंद्रों की व्यवस्था करने के लिए एक नीति अपनाई थी।

फेसबुक के शेयरों में गिरावट, तीसरी और चौथी तिमाही में विकास मंदी की उम्मीद

सैन फ्रांसिस्को।

फेसबुक के शेयरों में लगभग 5 फीसदी की गिरावट आई है, क्योंकि कंपनी ने जून तिमाही के लिए मजबूत परिणाम के लिए पहले पोस्ट किया था। वहीं अब कंपनी को में महत्वपूर्ण विकास मंदी की उम्मीद लगा रही है। सोशल नेटवर्क, ने दैनिक सक्रिय उपयोगकताओं (डीएयू) के साथ 1.91 बिलियन में दूसरी तिमाही के लिए राजस्व में 29.08 बिलियन डॉलर की सूचना दी थी। कंपनी ने बुधवार देर रात एक बयान में कहा, हम उम्मीद करते हैं कि दूसरी तिमाही की वृद्धि दर की तुलना में 2021 की दूसरी छमाही में साल-दर-दो साल की कुल राजस्व वृद्धि में मामूली गिरावट आएगी।कंपनी के अब वैश्विक स्तर पर 2.9 बिलियन मासिक सक्रिय उपयोगकर्ता (एमएयू)हैं और प्रति यूजर्स औसत राजस्व 10.12 डॉलर है। फेसबुक के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी मार्क जुकरबर्ग ने कहा, हमारे पास एक मजबूत तिमाही है, क्योंकि हम व्यवसायों को बढ़ने और लोगों से जुड़े रहने में मदद करना जारी रखते हैं। उन्होंने कहा, मैं क्रिएटर्स और कम्युनिटी, कॉमर्स और मेटावर्स के विजन को जीवंत करने के लिए एक साथ आने वाले अगले कंप्यूटिंग प्लेटफॉर्म के निर्माण के लिए हमारी प्रमुख पहलों को देखकर उत्साहित हुं। फेसबुक ने कहा कि 2021 की दूसरी तिमाही में विज्ञापन राजस्व वृद्धि के प्रति विज्ञापन औसत मूल्य में 47 प्रतिशत की साल-दर-साल वृद्धि और वितरित विज्ञापनों की संख्या में 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कंपनी ने कहा, दूसरी तिमाही की तरह, हम उम्मीद करते हैं कि विज्ञापन राजस्व वृद्धि मुख्य रूप से साल-दर-साल विज्ञापन मूल्य में 2021 के बाकी हिस्सों में वृद्धि से आगे बढ़ेगी। फेसबुक कंपनी अब 63,404 लोगों को रोजगार देती है। जो 21 प्रतिशत (साल दर साल) की वृद्धि है।

रेडिको खेतान का पहली तिमाही का शुद्ध लाभ 36 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। स्पिरिट्स निर्माता रेडिको खेतान ने अप्रैल-जून तिमाही में अपने स्टैंडअलोन शुद्ध लाभ में 59.82 करोड़ रुपये की 35.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। वित्त वर्ष 2021 की इसी अवधि के दौरान, कंपनी ने 44.07 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया है। कंपनी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक ललित खेतान ने कहा, वित्त वर्ष 2021 को एक सकारात्मक नोट पर बंद करने के बाद, पहली तिमाही साल-दर-साल2022 में एक मजबूत प्रदर्शन की करने बात कही है। अप्रैल की दूसरी छमाही से महामारी की दूसरी लहर ने व्यवसायों को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा,हालांकि, हमने जून 2021 के दूसरे पखवाड़े तक वॉल्यूम में रिबाउंड का उल्लेख किया। विभिन्न डिवीजनों में टीमें निर्बाध संचालन और निरंतर प्रेषण सुनिश्चित करने के लिए लचीलापन और ताकत के साथ एक साथ आईं। इसने हमें उद्योग को एक और तिमाही में बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम बनाया है। प्रबंध निदेशक अभिषेक खेतान ने कहा कि पहली तिमाही साल-दर-साल2022 में कोविड -19 द्वारा राज्य-स्तरीय लॉकडाउन और आपूर्ति श्रृंखला चुनौतियों के बावजूद, कंपनी ने एक मजबूत चौतरफा प्रदर्शन दिया है। उन्होंने कहा,जैसा कि प्रतिबंध हटा दिए गए हैं और सामान्य स्थिति फिर से शुरू हो गई है, महीने-दर-महीने वॉल्यूम एक सकारात्मक प्रवृत्ति का संकेत देते हैं। हम आने वाली तिमाहियों में प्रेस्टीज एंड एबव सेगमेंट के नेतृत्व में एक बेहतर उद्योग प्रदर्शन के लिए आश्वस्त हैं। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि पिछले साल प्रदर्शन, रेडिको खेतान पहली तिमाही साल-दर-साल2022 के दौरान भारत से बाहर सबसे बड़ा आईएमएफएल निर्यातक बन गया।

दूसरी तिमाही परिणामों के बाद सैमसंग को मजबूत चिप की मांग की उम्मीद

सियोल।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने गुरुवार को उम्मीद जताई है कि इस साल की दूसरी छमाही में ठेस चिप की मांग जारी रहेगी। दूसरी तिमाही में मजबूत प्रदर्शन के बाद मोबाइल कारोबार में थोड़ी सुधार हो सकती है। दुनिया की सबसे बड़ी मेमोरी चिप और स्मार्टफोन विक्रेता ने एक नियामक फाइलिंग में कहा कि,इस साल शुद्ध लाभ अप्रैल-जून की अवधि में 9.63 ट्रिलियन रहा (8.3 बिलियन डॉलर) था, जो एक साल पहले की तुलना में 73.4 प्रतिशत अधिक है।योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इसकी दूसरी तिमाही का परिचालन लाभ 54.3 प्रतिशत बढ़कर 12.56 ट्रिलियन हो गया है, जो 2018 की तीसरी तिमाही के बाद सबसे बड़ा है। बिक्री 20.2 प्रतिशत बढ़कर 63.67 ट्रिलियन हो गई, जो बढ़ती अवधि में ज्यादा है। यह किसी भी दूसरी तिमाही के लिए सबसे बड़ी है। तिमाही आधार पर, सैमसंग का दूसरी तिमाही का परिचालन लाभ पहली तिमाही से 33.9 प्रतिशत ऊपर था, हालांकि बिक्री पिछली तिमाही से 2.6 प्रतिशत कम थी। पहली तिमाही से शुद्ध लाभ 34.9 प्रतिशत अधिक था। सेमीकंडक्टर यूनिट से राजस्व वर्ष की दूसरी तिमाही में 22.74 ट्रिलियन जीता, जो एक साल पहले की तुलना में 24.7 प्रतिशत अधिक था, जबकि इसका परिचालन लाभ 27.6 प्रतिशत बढ़कर 6.93 ट्रिलियन जीता। पहली तिमाही की तुलना में इसका परिचालन लाभ दोगुने से अधिक रहा, जबकि बिक्री में 19.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। सैमसंग ने कहा, मेमोरी बिजनेस ने पिछली तिमाही की तुलना में कमाई में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की, जिसका नेतृत्व सर्वर और पीसी मेमोरी की मजबूत मांग के साथ-साथ डीआरएएम और एनएएनडी चिप्स दोनों के लिए औसत बिक्री मूल्य में अपेक्षा से अधिक मजबूत वृद्धि के कारण हुआ। कंपनी ने कहा, मेमोरी की मांग नए स्मार्टफोन मॉडल के लॉन्च होने की संभावना है, जिसमें सामग्री-प्रति-बॉक्स में व्यापक 5 जी उपलब्धता ड्राइविंग वृद्धि है।

नए रिमोट वर्क डायनामिक्स का समर्थन करने के लिए उद्यम पीसी की बढ़ती मांग के साथ-साथ नवीनतम सीपीयू को अपनाना, सर्वर और पीसी के लिए मेमोरी की मांग का समर्थन करने की उम्मीद है। अपने लॉजिक चिप व्यवसाय के लिए, सैमसंग ने कहा कि उसे सिस्टम-ऑन-चिप और ओलेड डिस्प्ले ड्राइवर आईसी उत्पादों की बढ़ती मांग के कारण, विशेष रूप से तीसरी तिमाही में, अपनी समग्र आय में सुधार की उम्मीद है क्योंकि व्यवसाय मजबूत मौसमी की उम्मीद स्मार्टफोन और टीवी की बिक्री करता है।

बाजार में तीन दिन से जारी गिरावट पर विराम, सेंसेक्स 209 अंक चढ़ा

मुंबई,

शेयर बाजारों में पिछले तीन कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर बृहस्पतिवार को विराम लगा और मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 209 अंक की बढ़त के साथ बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच टाटा स्टील, भारतीय स्टेट बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज में तेजी से बाजार में मजबूती आयी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत रुख नरम रखने की बात दोहराये जाने से वैश्विक बाजारों में तेजी आयी, जिसका सकारात्मक असर घरेलू शेयर बाजार पर भी पड़ा। कारोबारियों के अनुसार डॉलर के मुकाबले रुपये में मजबूती तथा कुछ चुनिंदा प्रमुख शेयरों में सौदों को पूरा करने के लिये की गयी लिवाली से बाजार को और गति मिली। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 209.36 अंक यानी 0.40 प्रतिशत की बढ़त के साथ 52,653.07 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, एनएसई निफ्टी 69.05 अंक यानी 0.44 प्रतिशत मजबूत होकर 15,778.45 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में टाटा स्टील सर्वाधिक 6.87 प्रतिशत लाभ में रहा। इसके अलावा, बजाज फिनसर्व, एसबीआई, एचसीएल टेक, सन फार्मा, बजाज फाइनेंस और रिलायंस इंडस्ट्रीज में अच्छी तेजी रही। दूसरी तरफ, मारुति, पावरग्रिड, बजाज ऑटो और आईटीसी समेत अन्य शेयरों में 2.21 प्रतिशत तक की गिरावट रही। रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीति प्रमुख विनोद मोदी ने कहा, ''सकारात्मक वैश्विक रुख और धातु तथा आईटी शेयरों में मजबूत लिवाली से बाजार को समर्थन मिला। इसके अलावा कुछ चुनिंदा प्रमुख शेयरों में सौदों को पूरा करने के लिये की गयी लिवाली से भी बाजार में तेजी आयी।''उन्होंने कहा, ''फेडरल रिजर्व के मौद्रिक नीति रुख नरम बनाये रखने और मासिक बांड खरीद कार्यक्रम के निकट और मध्यम अवधि में बदलाव की बहुत कम संभावना भारत समेत उभरते बाजारों के लिये अच्छी साबित हुई।'' मोदी के अनुसार हाल की गिरावट के बाद मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों में लिवाली की गयी। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''फेडरल रिजर्व की नीतिगत बैठक और चीन में प्रौद्योगिकी कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर घबराहट में लिवाली के बाद वैश्विक बाजार पटरी पर आयी...चीन का निवेशकों को शांत करने के प्रयास से भी बाजार को मदद मिली।'' उन्होंने कहा कि अमेरिका में बुनियादी ढांचा के लिये बड़े वित्तीय पैकेज को अंतिम रूप दिये जाने की खबर और उससे मांग बढ़ने की उम्मीद से धातु शेयरों में जोरदार तेजी आयी। एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई, हांगकांग, तोक्यो और सियोल लाभ में रहें। यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी मध्याह्न कारोबार में सकारात्मक रुख रहा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय कच्चा तेल बाार में ब्रेंट क्रूड 0.43 प्रतिशत मजबूत होकर 74.19 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर 9 पैसे मजबूत होकर 74.29 पर बंद हुई। शेयर बाजार के पास उपलब्ध आंकड़े के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशक बुधवार को पूंजी बाजार में शुद्ध लिवाल रहे। उन्होंने 2,274.77 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे।

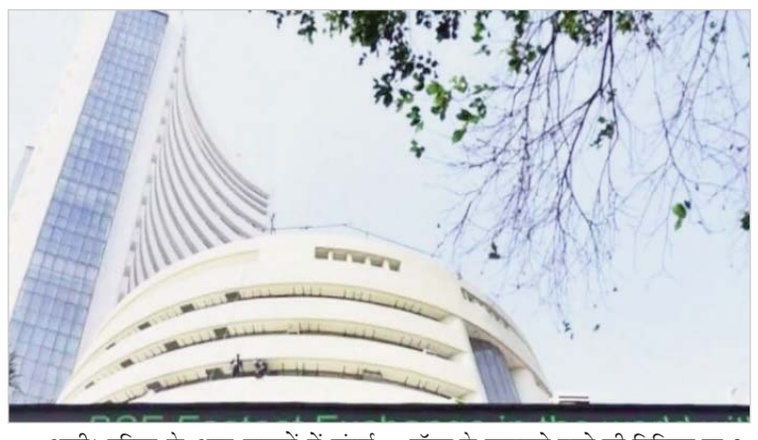

सोनी ने वैश्विक स्तर पर पीएस 5 की 1 करोड़ से अधिक यूनिट की बिक्री की

सैन फ्रांसिस्को।

सोनी इंटरएक्टिव एंटरटेनमेंट ने घोषणा की है कि उसके नवीनतम पीढ़ी (न्यू जनरेशन) के गेम कंसोल, प्ले स्टेशन 5 (पीएस 5) की लॉन्चिंग के बाद से वैश्विक स्तर पर उसकी एक करोड़ से अधिक यूनिट्स की बिक्री हो चुकी है। कंपनी ने बुधवार को कहा कि पीएस 5 कंपनी के इतिहास में सबसे तेजी से बिकने वाला कंसोल है और यह लगातार अपने पूर्ववर्ती, प्लेस्टेशन 4 (पीएस 4) की बिक्री को पछाड़ रहा है। सोनी इंटरएक्टिव एंटरटेनमेंट के अध्यक्ष और सीईओ जिम रयान ने कहा, हालांकि पीएस 5 हमारे पिछले किसी भी कंसोल की तुलना में अधिक तेजी से पहुंच गया है, मगर हमारे पास अभी भी बहुत काम है, क्योंकि पीएस5 की मांग आपूर्ति से आगे बढ़ रही है।

रयान ने कहा, मैं चाहता हूं कि गेमर्स को यह पता चले कि जब हम दुनिया भर में अद्वितीय चुनौतियों का सामना करना जारी रखते हैं, जो हमारे उद्योग और कई अन्य लोगों को प्रभावित करते हैं, तो इन्वेंट्री स्तर में सुधार करना एसआईई के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है।

अप्रैल में, कंपनी ने कहा था कि वह इस साल 31 मार्च तक 78 लाख प्लेस्टेशन 5 कंसोल बेचने में सफल रही है। अपनी कमाई से संबंधित रिपोर्ट में, कंपनी ने खुलासा किया था कि प्लेस्टेशन प्लस के वैश्विक स्तर पर 4.77 करोड़ ग्राहक हैं, जिसमें 14.7 प्रतिशत की वृद्धि (वर्ष दर वर्ष) दर्ज की गई है। कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चिप की कमी के कारण सोनी प्लेस्टेशन 5 का स्टॉक 2021 की दूसरी छमाही तक बहुत सीमित रहेगा। सोनी पीएस 5 कंसोल की आपूर्ति को बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहा है।

गंगावरम बंदरगाह ने 24 घंटे में रिकॉर्ड मात्रा में किया बॉक्साइट का निर्वहन

गंगावरम (आंध्र प्रदेश)।

गंगावरम पोर्ट लिमिटेड (जीपीएल), यानी भारत के सबसे गहरे और सभी मौसम में खुले रहने वाले बहुउद्देश्यीय बंदरगाह ने गुरुवार को दावा किया कि उसने यांत्रिक उतराई प्रणाली का उपयोग कर 24 घंटे के भीतर 1.25 लाख टन बॉक्साइट का निर्वहन करके राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित करने का मील का पत्थर हासिल किया है।

बंदरगाह के एक अधिकारी ने कहा, भारत में किसी भी बंदरगाह के इतिहास में सबसे तेज बॉक्साइट निर्वहन की यह उपलब्धि पहली बार हासिल हुई है। इस बंदरगाह से वेदांता की ओर से जहाज बर्ज एपो पर 1.65 लाख टन बॉक्साइट की ढुलाई की गई।इसी तरह, गंगावरम बंदरगाह ने अपने लोडिंग पैटर्न में बदलाव करके लौह अयस्क लदान लक्ष्य में एक और मील का पत्थर हासिल किया।

उन्होंने कहा, टीम ने लौह अयस्क फाइन के कठिन ग्रेड में उच्चतम लोडिंग हासिल की। पोत एमवी नाइट स्काई जिसे जीपीएल में रखा गया था, पर इसने एमएचसी, मैकेनिकल और शिप लोडर का एक साथ उपयोग किया। जहाज को मंगलवार सुबह 9.40 बजे बर्थ किया गया और दोपहर 2.05 बजे उतारना शुरू किया गया। लक्ष्य पाने में मदद के लिए जहाज लोडर मोड के माध्यम से एमएचसी के साथ-साथ यांत्रिक विधि उपयोग किया गया। बंदरगाह के अधिकारी ने कहा, हम अपनी टीम द्वारा इस दोहरी उपलब्धि पर बेहद खुश हैं। रिकॉर्ड डिस्चार्ज दर एक बार फिर हमारे बेहतर बंदरगाह बुनियादी ढांचे और परिचालन दक्षता की पुष्टि करती है। उन्होंने कहा कि बंदरगाह भारतीय आयातकों को कम समुद्री माल ढुलाई, कुशल संचालन, उन्नत सामग्री हैंडलिंग और निकासी प्रणाली और सभी प्रकार के कार्गो के लिए विशाल भंडारण क्षेत्रों के संबंध में पर्याप्त आर्थिक लाभ प्रदान करता है।

अधिकारी ने कहा, गंगावरम बंदरगाह ने अतीत में इस तरह के कई परिचालन मील के पत्थर हासिल किए हैं और आज भारतीय बंदरगाहों पर केप आकार के जहाजों के संचालन के अर्थशास्त्र को फिर से परिभाषित किया है। गंगावरम पोर्ट ने हाल के वर्षों में कोकिंग, नॉन-कोकिंग, लौह अयस्क, उर्वरक, कृषि-उत्पाद, प्रोजेक्ट कार्गो, औद्योगिक कच्चे माल जैसे एल्यूमिना, बॉक्साइट और अन्य सहित कार्गो के एक व्यापक स्पेक्ट्रम को संभाला है।

विद्युत क्षेत्र के इंजीनियरों, कर्मचारियों ने बिजली संशोधन विधेयक के खिलाफ राज्यों में किये सम्मेलन

नयी दिल्ली,

विद्युत क्षेत्र में काम करने वाले इंजीनियरों के संगठन एआईपीईएफ ने बृहस्पतिवार को कहा कि क्षेत्र के इंजीनियरों और कर्मचारियों ने प्रस्तावित बिजली (संशोधन) विधेयक, 2021 के विरोध में विभिन्न प्रदेशों में राज्य स्तरीय सम्मेलन आयोजित किये हैं। ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन (एआईपीईएफ) ने एक बयान में कहा, ''बिजली क्षेत्र के इंजीनियरों और कर्मचारियों ने प्रस्तावित बिजली (संशोधन) विधेयक, 2021 के विरोध में विभिन्न प्रदेशों में सम्मेलन आयोजित किये हैं। केंद्र सरकार का उन लोगों को लेकर रुख उदासीन है।'' बिजली कर्मचारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में सम्मेलन किया और उनके कार्यालय में एक ज्ञापन सौंपा।

सम्मेलन बेंगलुरु, त्रिची, हैदराबाद, चंडीगढ़ और अन्य सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनियों के मुख्यालयों में भी आयोजित किये गये। एआईपीईएफ के प्रवक्ता वी के गुप्ता ने कहा कि संयोजक प्रशांत चौधरी के नेतृत्व में बिजली कर्मचारियों और इंजीनियरों की राष्ट्रीय समन्वय समिति के चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को बिजली सचिव आलोक कुमार से मुलाकात की तथा बिजली (संशोधन) विधेयक, 2021 के खिलाफ एक ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में एआईपीईएफ महासचिव रत्नाकर राव भी शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने बिजली सचिव से पूछा कि कर्मचारियों और उपभोक्ताओं के साथ संबंधित पक्षों के रूप में व्यवहार क्यों नहीं किया जा रहा है और सरकार उनसे चर्चा किये बिना एकतरफा कदम उठा रही है। बयान के अनुसार बिजली सचिव ने कहा कि संगठनों की चिंताओं पर पहले ही विचार किया जा चुका है। ऐसे में बिजली क्षेत्र के इंजीनियरों और कर्मचारियों के पास बिजली वितरण के निजीकरण के प्रयासों का पुरजोर विरोध करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

पंजाब एंड सिंध बैंक को पहली तिमाही में 174 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ

नयी दिल्ली,

सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब एंड सिंध बैंक ने गुरुवार को बताया कि 30 जून 2021 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसने 173.85 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया। बैंक को एक साल पहले इसी अवधि में 116.89 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। बैंक ने मार्च 2021 की तिमाही में 160.79 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हासिल किया था। पंजाब एंड सिंध बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 2,039.61 करोड़ रुपये हो गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 1,954.39 करोड़ रुपये थी।

खराब ऋणों और आकस्मिक जरूरतों के लिए किया गया प्रावधान समीक्षाधीन अवधि में घटकर 77.30 करोड़ रुपये रह गया, जो पिछले साल की इसी अवधि में 382.56 करोड़ रुपये था। बैंक ने बताया कि जून तिमाही में उसका एनपीए या खराब ऋण एक साल पहले के 14.34 प्रतिशत के मुकाबले घटकर 13.33 प्रतिशत रह गया।

टेक महिंद्रा को पहली तिमाही में 39 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,353.2 करोड़ रुपए का लाभ

नयी दिल्ली, प्रमुख आईटी कंपनी टेक महिंद्रा ने बृहस्पतिवार को बताया कि वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 39.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,353.2 करोड़ रुपये रहा। टेक महिंद्रा ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने एक साल पहले इसी अवधि में 972.3 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ (अल्पसंख्यक ब्याज के बाद) दर्ज किया था। जून 2021 तिमाही में कंपनी का राजस्व 10,197.6 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले की अवधि में 9,106.3 करोड़ रुपये था। इस तरह उसके राजस्व में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई। टेक महिंद्रा के मुख्य वित्तीय अधिकारी मिलिंद कुलकर्णी ने कहा कि कंपनी ने लाभ हासिल करना का अपना सफर जारी रखा है और इस तिमाही में अब तक का सबसे अधिक तिमाही राजस्व और कर पश्चात लाभ दर्ज किया है। कंपनी के प्रबंध निदेशक और सीईओ सी पी गुरनानी ने कहा, ÷हमने अपने प्रमुख बाजारों एवं उद्योग क्षेत्रों में वृद्धि के साथ इस तिमाही में हर दिशा में अच्छा प्रदर्शन किया।÷

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मेरा काम है टीम को मैच जीताना : डी सिल्वा

कोलंबो। भारत और श्रीलंका के बीच खेले गए दूसरे टी20 मैच के बाद, श्रीलंका के ऑलराउंडर खिलाड़ी धनंजय डी सिल्वा ने कहा कि टीम में उनकी भूमिका अंत तक क्रीज पर टिके रहकर टीम को मैच में जीत दिलाना है। डी सिल्वा ने बुधवार को भारत के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में 34 गेंदो पर नाबाद 40 रन की पारी खेल कर श्रीलंका को चार विकेट से मैच जीताने में अहम भूमिका निभाई। इस जीत के साथ मेजबान टीम तीन मैचों की यह सीरीज को 1-1 से बराबरी करने में कामयाब रही। मैच के बाद डी सिल्वा ने कहा, टीम में मेरा काम है खेल के अंत तक टिके रहना और टीम के लिए मैच जीतना। मुझे पहले मैच में भी कहा गया था पर मैं ये करने में असफल रहा था। यह दिन मेरा था और मैने अपना काम किया। मुझे कोच, कप्तान और चयनकर्ता द्वारा यही कहा गया है कि मुझे खेल के अंत तक खेलना है ताकि बाकी के बल्लेबाज अपना गेम खेल सके और विरोधी टीम पर अटैक कर सके और फिर बाद में मैं अपना स्ट्राइक रेट बढ़ा कर टीम को जीत दिलाने में मदद कर सकूं। 29 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि वह जानते थे कि पिच धीमी होगी जिससे विरोधी टीम को कम रनों में समेटा जा सकेगा। डी सिलवा ने आगे बात करते हुए कहा, हमें पता था कि पिच धीमी रहने वाली है और हमारी रणनिती थी कि हम उन्हें 125-130 के बीच में रोके।

एथलेटिक्स में भारत के अभियान का आगाज करेंगे दुती-साबले

4 अगस्त को मैदान पर उतरेंगे नीरज

स्पोर्ट्स डेस्क।

ओलंपिक में ट्रैक और फील्ड पर मामूली अंतर से पदक से चूकने का इतिहास लिये भारतीय एथलेटिक्स दल शुक्रवार को तोक्यो में अपने अभियान का आगाज करेगा जबकि पदक उम्मीद भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा चार अगस्त को चुनौती पेश करेंगे। विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज चोपड़ा ओलंपिक में पदक के प्रबल दावेदारों में से हैं हालांकि उनकी तैयारी पुख्ता नहीं रही है। कोरोना महामारी के कारण वह ओलंपिक से पहले सिर्फ एक शीर्ष स्तरीय टूर्नामेंट खेल सके। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने खिलाड़ियों के लिये ओलंपिक से पहले विदेश में अभ्यास सह प्रतिस्पर्धा दौरों की योजना बनाई थी लेकिन महामारी के कारण यात्रा प्रतिबंधों के मद्देनजर इसे रद्द करना पड़ा। भारत के 26 सदस्यीय दल में से सिर्फ चोपड़ा ही तोक्यो आने से पहले यूरोप में अभ्यास कर सके। उन्होंने ओलंपिक से पहले तीन ही अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट खेले लेकिन पहले दो में स्थानीय खिलाड़ी ही भाग ले रहे थे। तीसरा टूर्नामेंट फिनलैंड में कुओर्तेने में था जिसमें वह 86 . 79 मीटर का थ्रो फेंककर तीसरे स्थान पर रहे। ओलंपिक में स्वर्ण पदक के दावेदार जर्मनी के जोहानेस वेटर (93 . 59 मीटर) ने पीला तमगा अपने नाम किया। चोपड़ा ने सत्र की शुरूआत मार्च में इंडियन ग्रां प्री में 88 . 07 मीटर का थ्रो फेंककर अपना ही रिकॉर्ड तोड़ते हुए की थी। वहीं 2017 विश्व चैम्पियन वेटर ने अप्रैल और जून में सात टूर्नामेंटों में 90 मीटर से अधिक का थ्रो फेंका। चोपड़ा के प्रतिद्वंद्वियों में पोलैंड के मार्सिन क्रूकोवस्की, 2016 रियो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वालकॉट और लाटविया के 2014 अंडर 20 विश्व चैम्पियन गाटिस काक्स हैं। चोपड़ा पहला थ्रो चार अगस्त को फेंकेंगे जबकि फाइनल्स तीन दिन बाद होना है। रियो में पांच साल पहले सिर्फ ललिता बाबर 3000 मीटर स्टीपलचेस फाइनल में पहुंच सकी थी। चक्काफेंक खिलाड़ी कमलप्रीत कौर शीर्ष पांच में रहने का प्रयास करेगी। रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज कौर ने हाल ही में दो बार राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा। एशियाई खेलों के चैम्पियन शॉटपुट खिलाड़ी तेजिंदर सिंह तूर ने जून में इंडियन ग्रां प्री 4 में अपना ही रिकॉर्ड बेहतर करके 21. 49 मीटर का थ्रो फेंका। उनके वर्ग में प्रतिस्पर्धा कड़ी है लेकिन वह फाइनल में पहुंच सकते हैं। शिवपाल सिंह (भालाफेंक), अविनाश साबले (3000 मीटर स्टीपलचेस) और एम श्रीशंकर (लंबी कूद) अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को दोहरा सके तो फाइनल में पहुंच सकते हैं। साबले शुक्रवार को भारतीय चुनौती का आगाज करेंगे। उनके बाद दुती चंद (100 मीटर), एम पी जबीर (400 मीटर बाधा दौड़) उतरेंगे। मिश्रित चार गुणा 400 मीटर रिले टीम शाम को खेलेगी। विश्व रैंकिंग के जरिये टूर्नामेंट में उतरी दुती का लक्ष्य सेमीफाइनल में प्रवेश करना होगा।

ओलंपिक (महिला मुक्केबाजी) : प्री क्वार्टर फाइनल में हार के साथ थमा मैरीकोम का सफर

टोक्यो।

छह बार की विश्व चैंपियन भारत की मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम यहां चल रहे टोक्यो ओलंपिक में महिला फ्लाईवेट 51 किग्रा भार वर्ग के प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में कोलंबिया की इंग्रीट लोरेना वालेंसिया के हाथों हार गईं। इसके साथ ही उनका ओलंपिक में सफर थम गया है। भारत की ओर से पदक की प्रबल दावेदार मानी जा रहीं 38 वर्षीय मैरीकोम को वालेंसिया ने करीबी मुकाबले में 3-2 से हराया। 2012 लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता मैरीकोम के इस तरह प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में हारने से भारत की पदक की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। मैरीकोम ने वालेंसिया को 2019 में विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में 5-0 से हराया था लेकिन उन्हें यहां हार का सामना करना पड़ा। 32 वर्षीय वालेंसिया अपने प्रदर्शन से जहां तीन जजों को प्रभावित करने में कामयाब रहीं वहीं मैरीकोम से दो जज ही प्रभावित हुए। रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता वालेंसिया को पहले राउंड में चार जजों ने 10-10 अंक दिए जबकि मैरीकोम को सिर्फ एक जज ने 10 अंक दिए। दूसरे और तीसरे राउंड में मैरीकोम को तीन जजों ने 10-10 अंक दिए जबकि इन राउंड में वालेंसिया को दो जजों ने 10-10 अंक दिए। हालांकि, पहले राउंड में वालेंसिया को मिली बड़ी बढ़त के आधार पर फैसला मैरीकोम के खिलाफ गया। मैरीकोम का यह आखिरी ओलंपिक हो सकता है। इससे पहले, उन्होंने पहले राउंड में डोमिनिका गणराज्य की मिगुएलिना हेरनांडेज गार्सिया को 4-1 से हराया था लेकिन वह प्री क्वार्टर फाइनल की बाधा पार नहीं कर सकीं और ओलंपिक में उनका सफर यहीं समाप्त हुआ।

ओलंपिक (रोविंग) : भारतीय रोवर्स ओवरऑल 11वें स्थान पर रहे

टोक्यो।

भारतीय रोवर्स अर्जुन लाल जाट और अरविंद सिंह यहां चल रहे टोक्यो ओलंपिक में पुरुष लाइटवेट डबल स्कल्स इवेंट में गुरूवार को ओवरऑल 11वें स्थान पर रहे। फाइनल बी रेस में भारतीय जोड़ी छह मिनट 29.66 सेकेंड का समय लेकर छठे स्थान पर रही। स्पेनिश जोड़ी 6:15.45 समय लेकर पहले और पोलैंड 6:16.01 समय के साथ दूसरे स्थान पर रहा। ओलंपिक में किसी भी भारतीय रोविंग दल द्वारा 11वां स्थान अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भारतीय स्कलर्स ने सेमीफाइनल में 6:24.41 का समय लिया था जो उनका सर्वश्रेष्ठ समय था। लेकिन वे शीर्ष तीन में स्थान बनाने में नाकाम रहे थे और फाइनल में नहीं पहुंच सके थे। आयलैंड ने 6:05.33 समय लेकर पहला स्थान हासिल किया था।

भारतीय महिला टीम के लिए आयरलैंड के खिलाफ 'करो या मरो' का मुकाबला

टोक्यो ।

लगातार तीन हार के बाद ओलंपिक से बाहर होने की कगार पर खड़ी भारतीय महिला हॉकी टीम को क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें बचाये रखने के लिए शुक्रवार को हर हालत में आयरलैंड को हराना होगा। वैसे लगातार तीन शर्मनाक हार के बाद भारतीय टीम के लिये मनोबल ऊंचा रखकर अपने से ऊंची सातवीं रैंकिंग वाली टीम को हराना आसान नहीं होगा। भारत पूल ए में पांचवें स्थान पर है जबकि आयरलैंड एक जीत और दो हार के बाद चौथे स्थान पर है। भारत और दक्षिण अफ्रीका ने अभी खाता नहीं खोला है। दोनों पूल से शीर्ष चार टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी। भारत को अब आयरलैंड और शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच जीतने के साथ गोल औसत भी बेहतर रखना होगा। इसके साथ ही उन्हें दुआ करनी होगी कि शनिवार को ब्रिटेन की टीम आयरलैंड को हरा दे। वैसे यह सब जोड़ घटाव तभी होगा जब भारत शुक्रवार को आयरलैंड को हरा पाता है। कोच शोर्ड मारिन को अपनी टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। लगातार दूसरी बार ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली भारतीय टीम रियो ओलंपिक में 12वें स्थान पर रही थी और तोक्यो में भी खराब प्रदर्शन से देश में महिला हॉकी का ग्राफ ऊपर जाता नहीं दिख रहा। पहले तीन मैचों में भारत को दुनिया की नंबर एक टीम नीदरलैंड ने 5.1 से, जर्मनी ने 2.0 और गत चैम्पियन ब्रिटेन ने 4.1 से हराया। भारतीयों ने तीनों मैचों में मौके बनाये लेकिन फॉरवर्ड पंक्ति उन्हें भुना नहीं सकी। ब्रिटेन के हाथों मिली हार को कोच मारिन ने ओलंपिक में भारत का सबसे खराब मैच बताते हुए कहा था, 'यह हमारा सबसे खराब मैच था। हम हर खिलाड़ी के लिये छह खेलने का प्रयास करते हैं लेकिन इस मैच में वैसा नहीं हुआ। खराब फैसले, खराब चयन। मैं इससे बहुत निराश हूं।' उन्होंने हालांकि कहा, 'अभी भी हमारे पास मौका है और हम छह अंक लेकर क्वार्टर फाइनल में जा सकते हैं। यही हमारा लक्ष्य होना चाहिए।' भारतीय डिफेंडरों के लिए हालांकि एलेना टाइस, कप्तान कैथरीन मुलान और हन्ना मैकलागलिन जैसे स्ट्राइकरों को काबू में रखना आसान नहीं होगा। वैसे भारत ने फरवरी 2019 में आयरलैंड को 3.0 से हराया और स्पेन दौरे पर दो मैचों की श्रृंखला में इसी टीम से 1.1 से ड्रॉ खेला था।

संक्षिप्त समाचार

टोक्यो के पास के तीन प्रायद्वीप ने आपातकाल की मांग की

टोक्यो। टोक्यो के पास के तीन प्रायद्वीप ने कोविड -19 के बढ़ते नए मामले को देखते हुए संयुक्त रूप से यह फैसला किया है कि वे जापानी सरकार से अनुरोध करेंगे कि इन प्रायद्वीप में आपातकाल की स्थिति कर दें। इस बात की सूचना एक स्थानीय मीडिया ने गुरुवार को दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, चिबा के गवर्नर तोशीहितो कुमागई ने वायरस के तेजी से फैलने पर चिंता जताई है। कोविड -19 के रोक थाम के मंत्री यासुतोशी निशिमुरा ने कहा कि वह चिबा, कानागावा और सैतामा प्रयद्वीप द्वारा किए अनुरोध पर विचार विमर्श करने के बाद ही कोई निर्णय लेंगे। जापान में बुधवार को कोविड-19 के 9,583 नए मामलें दर्ज किए गए। ओलंपिक मेजबान शहर टोक्यो, जो पहले से ही 22 अगस्त तक एक आपातकालीन स्थिति में है, वहां 3,177 संक्रमण के मामलें दर्ज किए गए। कोविड -19 पर सरकारी उपसमिति का नेतृत्व करने वाले एक संक्रामक रोग विशेषज्ञ शिगेरू ओमी ने गुरुवार को संसदीय सुनवाई में सरकार से नागरिकों को एक कड़ा संदेश देने का आग्रह किया। ओमी ने कहा, मुझे लगता है कि हमारे ऊपर संकट मंडरा रहा है, ऐसा कोई तरीका नहीं है जिससे संक्रमण को रोका जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि सबसे बड़ा खतरा हमारे ऊपर यह है कि आम जनता को संकट के बारे में पता तक नहीं चलता है और ऐसी स्थिती में वायरस और तेजी से बढ़ता है। उल्लेखनीय है कि कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच टोक्यो ओलंपिक का आयोजन जारी है। ओलंपिक आठ अगस्त तक चलेगा जिसके कुछ दिन बाद यहां पैरालम्पिक का भी आयोजन होना है।

पोल वॉल्ट चैंपियन केंड्रिक्स कोरोना पॉजिटिव

टोक्यो। पोल वॉल्ट विश्व चैंपियन अमेरिका के सैम केंड्रिक्स टोक्यो ओलंपिक में कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। पॉजिटिव पाए जाने का मतलब है कि रियो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता केंड्रिक्स को इस ओलंपिक से बाहर होना पड़ेगा। अमेरिका ओलंपिक और पैरालम्पिक समिति (यूएसपीओसी) ने ट्वीट कर कहा, हमारे एथलीटों, कोचों और स्टाफ की सुरक्षा सर्वोपरि है। हमें इस बात की पुष्टि करते हुए दुख हो रहा है कि केंड्रिक्स कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं और वह टोक्यो ओलंपिक में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। स्थानीय नियम और प्रोटोकॉल को देखते हुए केंड्रिक्स को होटल में आईसोलेशन में रखा गया है। यूएसपीओसी ने कहा, केंड्रिक्स अमेरिकी टीम के अहम सदस्य हैं और उनकी अनुपस्थिति सभी मिस करेंगे। उनकी निजता को देखते हुए हम इस वक्त ज्यादा जानकारी नहीं दे सकते। इससे पहले, अर्जेंटीना के पुरुष पोल वॉल्टर जर्मन चिआराविगलिओ भी कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद ओलंपिक से बाहर हो गए थे।पुरुष पोल वॉल्ट का क्वालीफिकेशन 31 जुलाई को जबकि फाइनल तीन अगस्त को होगा।

अपनी उपलब्धियों और जिम्नास्टिक से कहीं अधिक हूं : बाइल्स

टोक्यो।

स्टार अमेरिकी जिम्नास्ट सिमोन बाइल्स ने अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए टोक्यो ओलंपिक में कलात्मक जिम्नास्टिक में महिलाओं के व्यक्तिगत ऑल-अराउंड फाइनल से हटने का फैसला किया जिससे काफी लोगों ने सिमोन के इस फैसले का समर्थन किया और सिमोन ने सबसे मिले प्यार और समर्थन के लिए शुक्रिया अदा किया है।एसिमोन ने गुरुवार को एक ट्वीट करते हुए कहा, मुझे जो प्यार और समर्थन मिला है, उससे मुझे एहसास हुआ है कि मैं अपनी उपलब्धियों और जिम्नास्टिक से कहीं ज्यादा हूं, जिस पर मैंने पहले कभी विश्वास नहीं किया था। व्यक्तिगत ऑल-अराउंड इवेंट में अब सिमोन की स्थान पर जेड कैरी भाग लेंगी, कैरी के पास क्वालीफिकेशन राउंड में नौवां सर्वोच्च स्कोर था, जिसके चलते उन्हें यह मौका मिला है। 24 वर्षीय सिमोन ने मंगलवार को वॉल्ट पर 13.766 स्कोर किया, जो पहले रोटेशन में सबसे कम अंक था। पहले रोटेशन के बाद उन्हे ट्रेनर के साथ बात करते हुए देखा गया और फिर वह टीम डॉक्टर के साथ प्रतियोगिता के मैदान से बाहर निकल गई। फिर वह अपने दाहिने पैर पर टेप लगाते हुए वापस आई और अपने साथियों को गले लगाया, जब वह वापस आईं तो उन्होंने बार ग्रिप हटा दी थी और जैकेट और स्वेटपैंट पहनकर आई थी, जिससे साफ पता चल गया था कि वह अब फाइनल में टीम के साथ नहीं होगी।

सिमोन, यूएसए की, अब तक की सबसे सफल जिमनास्ट हैं। उन्होंने 2016 रियो ओलंपिक में चार स्वर्ण पदक और एक कांस्य पदक जीता था। टोक्यो ओलंपिक में उन्हे सबसे स्टार खिलाड़ी बताया जा रहा था।सिमोन के हटने के पीछे का कारण मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को बताया गया था।

मिश्रित टीम में दीपिका के साथ खेलने की उम्मीद थी: दास

टोक्यो। भारतीय तीरंदाज अतनु दास ने तोक्यो ओलंपिक की मिश्रित टीम स्पर्धा में अपनी पत्नी और दुनिया की नंबर एक तीरंदाज दीपिका कुमारी के साथ प्रतिस्पर्धा पेश करने का मौका नहीं मिलने पर गुरुवार को निराशा जताई। दास ने पुरुष व्यक्तिगत स्पर्धा के दूसरे दौर में यहां दो बार के ओलंपिक चैंपियन दक्षिण कोरिया के ओह जिन हयेक के खिलाफ पिछड़ने के बाद जीत दर्ज करने का श्रेय दीपिका को दिया। मिश्रित युगल में जोड़ी टूटने के बाद दीपिका जिन हयेक के खिलाफ अंतिम 32 के मुकाबले में दास की हौसलाअफजाई के लिए मौजूद थीं। जिन हयेक तोक्यो खेलों में पुरुष टीम स्पर्धा जीतने वाली कोरिया की टीम का हिस्सा थे। दीपिका को दास का हौसला बढ़ाते हुए देखा गया जो 2-4 से पिछड़ने के बाद शूट आफ में जीत दर्ज करने में सफल रहे। दास और दीपिका दोनों व्यक्तिगत स्पर्धाओं के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बना चुके हैं और प्रतियोगिता में भारत की ओर से तीरंदाजी में सिर्फ इन्हीं दोनों की चुनौती बरकरार है। दास ने जीत दर्ज करने के बाद 'मिक्सड जोन' (जहां खिलाड़ी मीडिया से बात करते हैं) में कहा, 'मैं हर समय उसकी बात सुन रहा था। वह मेरा हौसला बढ़ा रही थी, कह रही थी कि 'अपने ऊपर भरोसा रखो', 'तुम कर सकते हो', 'धैर्य रखो और स्थिति का सामना करो'।' उन्होंने कहा, 'वह दुनिया की नंबर एक तीरंदाज है और मेरी खुशकिस्मती है कि इस प्रतियोगिता में मेरी पत्नी मेरे साथ है। यह मेरे लिए बहुत बड़ा समर्थन और प्रेरणा है।' दास को मिश्रित युगल में दीपिका के साथ जोड़ी बनाने का मौका नहीं मिला क्योंकि वह रैंकिंग दौर में प्रवीण जाधव से पीछे रहे। पहली बार ओलंपिक में हिस्सा ले रहे जाधव ने 31वां जबकि दास ने 35वां स्थान हासिल किया था। भारतीय तीरंदाजी टीम प्रबंधन ने रैंकिंग के अनुसार चलने का फैसला किया और इस स्टार जोड़ी की एक महीने से भी कम समय पहले पेरिस विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतने की उपलब्धि को नजरअंदाज कर दिया। जाधव और दीपिका ने पहली बार जोड़ी बनाई और उन्हें कोरिया के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। दास ने कहा, 'मुझे मिश्रित टीम में उसके साथ खेलने की उम्मीद थी लेकिन दुर्भाग्य से यह संभव नहीं था। मुझे नहीं पता क्यों?' उन्होंने कहा, ''लेकिन यह काफी संतोषजनक है (कि हम दोनों अंतिम 16 में पहुंच गए हैं)। हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहे हैं। देखते हैं क्या होता है।'

रूसी खिलाड़ी की घटना के बाद चिली रिपोर्टर के खिलाफ जांच शुरू

टोक्यो । टोक्यो में ओलंपिक खेलों की आयोजन समिति ने चिली के एक रिपोर्टर के खिलाफ जांच शुरू की, जिसने रूसी टेनिस खिलाड़ी डेनियल मेदवेदेव के खिलाफ भड़काऊ तरीके से काम किया। बुधवार को तीसरे दौर के मैच में मेदवेदेव ने इटली के फैबियो फोगनिनी को मात दी।मैच के बाद, चिली के एक रिपोर्टर ने रूसी एथलीटों के बारे में 'धोखाधड़ी' का दावा किया, जब वह मेदवेदेव से बात कर रहे थे तो उनसे पूछा कि वह इस 'लांछन' के साथ कैसा महसूस कर रहे हैं। मेदवेदेव ने सवाल का जवाब देने से इनकार कर दिया और अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ से इस रिपोर्टर को प्रतियोगिताओं में उपस्थित होने पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध किया।

बॉयज नेशनल चैंपियनशिप में एसएससीबी, हरियाणा के मुक्केबाजों का दबदबा कायम

नई दिल्ली।

डिफेंडिंग चैंपियन सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड (एसएससीबी) ने सोनीपत के दिल्ली पब्लिक स्कूल में जारी तीसरी जूनियर बॉयज नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखा है। चैम्पियनशिप के तीसरे दिन उसके उसके सात मुक्केबाज क्वार्टर फाइनल चरण में पहुंच गए।

हर्ष ने एसएससीबी के लिए 46 किग्रा राउंड ऑफ-16 बाउट में मध्य प्रदेश के गौरव बघेल के खिलाफ एक जीत के साथ दिन की शुरूआत की। इसके अलावा नीरू (48 किग्रा), निखिल (52 किग्रा), आशीष (54 किग्रा), विनय विश्वकर्मा (57 किग्रा), हेंथोई (60 किग्रा) और प्रीत मलिक (63 किग्रा) अन्य एसएससीबी मुक्केबाज हैं, जिन्होंने अपने-अपने वर्ग में क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। चैम्पियनशिप के पिछले संस्करण में दूसरे स्थान पर रहने वाली हरियाणा की टीम के भी मुक्केबाजों ने भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। इस टीम के सात मुक्केबाजों ने अंतिम -8 चरण में जगह बनाई है। साहिल ने अपनी टीम को उस समय विजयी शुरूआत प्रदान की जब उन्होंने 48 किग्रा अंतिम -16 मुकाबले में पंजाब के सुमित को 5-0 से मात दी। 2019 एशियन स्कूलबॉय चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता यशवर्धन सिंह ने इस गति को और बढ़ाया और महाराष्ट्र के हुजेफ अप्रध के खिलाफ एकतरफा जीत दर्ज की।

सौरभ (50 किग्रा), पंकज कुमार (52 किग्रा), अक्षत (54 किग्रा), अंशुल (57 किग्रा) और मिलन देसवाल (63 किग्रा) ने भी अपने-अपने प्री क्वार्टर फाइनल में जीत हासिल की। चौथे जूनियर गर्ल्स नेशनल चैंपियनशिप में दूसरे दिन 29 मुकाबले खेले गए जबकि तीसरे जूनियर बॉयज नेशनल चैंपियनशिप के तहत 65 मुकाबले खेले गए।

इस टूर्नामेंट में लगभग 500 मुक्केबाज (298 लड़के और 201 लड़कियों) अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं।

ओलंपिक (मुक्केबाजी) : सुपर हेवीवेट सतीश क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, विश्व चैम्पियन से भिड़ेंगे

टोक्यो। भारत के सुपर हेवीवेट मुक्केबाज सतीश कुमार प्लस 91 किलोग्राम भार वर्ग के अंतिम-16 दौर के मुकाबले में गुरुवार को जमैका के रिकाडरे ब्राउन को हराकर यहां जारी टोक्यो ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। क्वार्टर फाइनल में सतीश का मुकाबला रविवार को उज्बेकिस्तान के मौजूदा विश्व चैंपियन बाखूदीर जालोलोव से होगा। सतीश ने प्लस 91 किलोग्राम भार वर्ग के अंतिम-16 दौर के मुकाबले में ब्राउन को 4-1 से हराया। 32 साल की उम्र में ओलंपिक में पदार्पण करते हुए सतीश ने रायोगोकू कोकूगिकान एरेना में स्प्लिट डिसिजन के फैसले के साथ ये सुपर हैवीवेट मुकाबला अपने नाम किया। शुरूआती दौर में दोनों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली, जहां ब्राउन ने आक्रमण से बचने के लिए लगातार भारतीय मुक्केबाज से दूरी बनाने की कोशिश की। दूसरी ओर सतीश जमैका के मुक्केबाज के मुक्कों से बचने में सफल रहे। यह भारतीय अपने बेहतर खेल की बदौलत सभी पांच जजों को प्रभावित करने में सफल रहा, और उन्होंने सभी जजों से 10 अंक हासिल किए। ब्राउन का भी ये ओलंपिक पदार्पण का मैच था, जहां वो शुरूआत से ही आक्रामक बने रहे, लेकिन सतीश को ज्यादा परेशान नहीं कर पाए। भारतीय मुक्केबाज ने शानदार बचाव किया और समय पर हुक और जैब्स लगाए।

आयुर्वेद में लहसुन से किया जाता है कई बीमारियों का इलाज

कोविड पीरियड में लहसुन का प्रयोग काफी किया जा रहा है। सभी लोग इम्यूनिटी बूस्ट करने के लिए इसका सेवन कर रहे हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसके अचार से भी आपको स्वस्थ्य लाभ मिलते हैं। आमतौर पर हम लहसुन का प्रयोग सब्जी और दाल में तड़का लगाने के लिए करते हैं लेकिन आयुर्वेद में लहसुन का इस्तेमाल औषधि के रूप में किया जाता है। इसके सेवन के कई अचूक फायदे होते हैं लेकिन इसे उचित मात्रा में लेना चाहिए। आयुर्वेद में लहसुन का प्रयोग कर कई बीमारियों का इलाज किया जाता है। औषधि और सब्जियों के अलावा आप लहसुन का अचार भी बना सकते हैं। जो स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी बहुत लाभकारी होता है। लहसुन एंटीसेप्टिक, एंटीआक्सीडेंट, एंटी बैक्टीरियल, एंटी वायरल, और एंटीफंगल गुणों से समृद्ध है। आप इसका प्रयोग कई तरह से कर सकते हैं। यहां हम आपको आयुर्वेदिक डॉक्टर के हवाले से लहसुन और इसके अचार खाने के कई स्वस्थ्य लाभों के बारे में जानकारी दे रहे हैं। चूंकि लहसुन एक आयुर्वेदिक औषधि है, इसलिए हमने इसके बारे में अधिक जानकारी के लिए आयुर्वेद के क्षेत्र से जुड़े डॉक्टर से बात की। बेंगलुरु के जीवोत्तम आयुर्वेद केंद्र ने बताया कि लहसुन से एक नहीं बल्कि कई फायदे मिलते हैं। आप चाहें तो इसका स्वादिष्ट अचार भी खा सकते हैं। जो खराब कोलेस्ट्रॉल को घटाता है जिसकी मदद से अपच, फूड पॉइजन, कब्ज, गैस जैसी पेट संबंधित समस्याओं से राहत मिलती है। इसलिए आप इसके अचार को अपने लंच और डिनर में शामिल कर सकते हैं।

कैंसर के जोखिम को कम करने में मददगार

लहसुन में मौजूद ऑर्गेनो-सल्फर सेरेब्रम ट्यूमर में जोखिम भरी कोशिकाओं में से एक को नष्ट करने में मदद करता है। लहसुन को खासतौर पर प्रोस्टेट और ब्रेस्ट कैंसर से बचाने वाला फूड माना जाता है। इसकी गंध कैंसर और हृदय रोग के लिए एक सुरक्षा कवच के तौर पर काम करती है।

फेफड़े के सही विकास में सहायक

जो लोग हर हफ्ते लहसुन की कच्ची कलियों का सेवन करते हैं उनके फेफड़े सही तरह से विकसित होते हैं। हालांकि, कई लोग लहसुन को कच्चा या सब्जी में खाना पसंद नहीं करते, इसलिए वे इसे आचार के तौर पर खा सकते हैं। अध्ययनों से पता चला है कि फेफड़ों की खराबी के लिए लहसुन एक रसायन-निवारक विशेषज्ञ के रूप में काम कर सकता है।

जोड़ों के दर्द में राहत

लहसुन के सेवन से जोड़ों के दर्द में काफी आराम मिलता है। विशेषज्ञों का भी कहना है कि लहसुन में कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो जोड़ों के दर्द में फायदेमंद होते हैं। रोजाना इसके सेवन से जोड़ों के दर्द और सूजन की शिकायत होने का जोखिम कम हो सकता है। आप कच्चे लहसुन, नमकीन लहसुन, या लहसुन की गोलियां खाकर जोड़ों की सूजन को कम कर सकते हैं।

सर्दी, खांसी और जुकाम को कम करने में फायदेमंद

सर्दी-जुकाम और अन्य बीमारियों के खतरे को कम करने के लिए आप लहसुन के अचार को भी औषधि के तौर पर खा सकते हैं। यदि आपको सर्दी-जुकाम की समस्या है, तो आपको लहसुन की आवश्यकता हो सकती है! कैंसर की रोकथाम करने वाले एजेंट यानी लहसुन की नमकीन का सेवन कर सर्दी को कम कर सकते हैं। इसमें हीट पैदा करने वाले गुण होते हैं।

आंखों की सेहत ख्याल रखता है इम्यूनिटी बूस्टर लहसुन

लहसुन के सेवन से आप अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत रख सकते हैं। इसके अतिरिक्त ये आपकी आंखों के लिए भी फायदेमंद है। लहसुन के अचार में अधिक मात्रा में बीटा कैरोटीन मौजूद होता है जो आंखों के लिए अच्छा माना जाता है

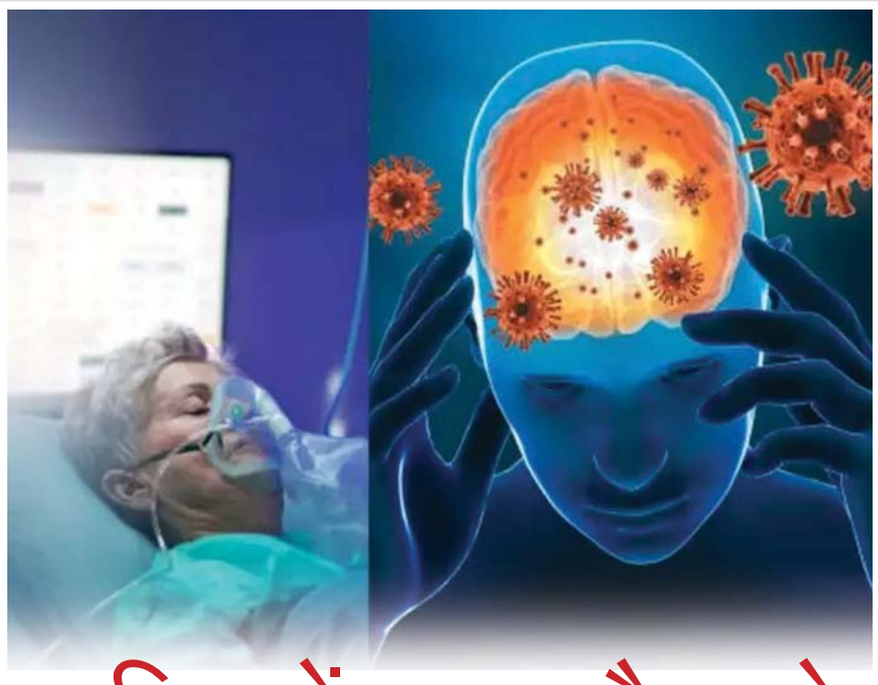

बारिश में मच्छर फैलाते हैं ये गंभीर बीमारियां

मानसून एक खुशनुमा मौसम है लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि ये मच्छर जनित बीमारियों का भी सीजन है। क्योंकि यह मच्छरों के प्रजनन का भी मौसम है, इसलिए वे अपनी पूरी ताकत के साथ संक्रमण फैलाने के लिए एक्टिव हो जाते हैं। अगर आपने मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों से बचाव के लिए कोई तैयारी नहीं की तो सावधानी बतरनी शुरू कर कीजिए। दरअसल, मच्छरों के काटने से जो बीमारियां होती हैं, उनमें से ज्यादातर हमारी जान पर हावी हो जाती हैं।

बता दें कि मच्छर का काटना और उसके बाद होने वाली खुजली होना एक छोटी सी समस्या है लेकिन नजरअंदाज करने पर ये संक्रमण गंभीर लक्षणों को भी बढ़ावा दे सकता है। हर साल लाखों लोग किसी न किसी मच्छर जनित बीमारी से पीड़ित होते हैं। इस आर्टिकल में हमने 5 ऐसी बीमारियों को लिस्टिड किया है जो मानसून में आम हैं।

मलेरिया

मच्छर के काटने से होने वाली सबसे आम और खतरनाक बीमारी है। हर साल लगभग 4 लाख लोग मलेरिया के कारण अपनी जान गंवाते हैं। हालांकि, बढ़ती जागरूकता के साथ, मामलों की संख्या में गिरावट देखी गई है। जब एक संक्रमित मच्छर किसी स्वस्थ व्यक्ति को काटता है, तो वह व्यक्ति मलेरिया से संक्रमित हो सकता है। बुखार, ठंड लगना और शरीर में दर्द मलेरिया के प्रमुख लक्षण हैं। यदि आप खुद में इस तरह के सिम्टम्स देखते हैं तो बिना देर किए टेस्ट कराना चाहिए। इसके अलावा, मलेरिया के खतरे से बचने के लिए मानसून के मौसम में मच्छरदानी का उपयोग करें। चूंकि मलेरिया के लिए कोई टीका नहीं है, इसलिए रोकथाम सबसे अच्छा इलाज है।

डेंगू बुखार

पिछले कुछ सालों में डेंगू के मामलों में थोड़ी गिरावट देखी गई है, लेकिन अब भी ये पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है। साथ ही, भारत डेंगू बुखार के लिए सबसे अधिक जोखिम वाले क्षेत्रों में से एक है। समस्या यह है कि अब तक डेंगू का कोई इलाज नहीं है और खराब मैनेजमेंट से रोगी की मृत्यु हो सकती है। लिहाजा हमें इससे बहुत अधिक सावधान रहने की जरूरत है। डेंगू पैदा करने वाला मच्छर अलग होता है और इसके लक्षण घंटों में देखे जा सकते हैं। जैसे ही आपको संक्रमित मच्छर के काटने का संदेह हो, अपना परीक्षण करवाएं और आवश्यक चिकित्सा सहायता लें।

येलो बुखार

येलो फीवर फ्लेविवायरस के कारण होता है। इसमें वायरस से संक्रमित मच्छर किसी स्वस्थ व्यक्ति को काटता है तो वह येलो फीवर की चपेट में आ जाता है। यह कैरिबियन, अफ्रीकी और दक्षिण अमेरिकी क्षेत्रों में अधिक आम है। भारतीय तब तक इस बीमारी के संपर्क में नहीं आते जब तक कि वे उच्च जोखिम वाले देशों का दौरा नहीं करते। शुक्र है कि पिछले वर्षों में पीले बुखार के बहुत कम मामले सामने आए हैं लेकिन हमें इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यदि आप सुरक्षित स्थान पर रहने के लिए किसी उच्च जोखिम वाले क्षेत्र में जा रहे हैं तो अपने आप को पीले बुखार का टीका लगवाएं। हालांकि, लोगों को सलाह दी जाती है कि वे उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों की यात्रा करने से पहले पीले बुखार का टीका लगवा लें।

इंसेफेलाइटिस

यह भी एक मच्छर जनित बीमारी है लेकिन बाकी की तुलना में अधिक खतरनाक है क्योंकि यह रीढ़ की हड्डी के आसपास सूजन का कारण बनती है जो मस्तिष्क तक पहुंच सकती है। समय पर इलाज न मिलने पर यह रोग पूरे शरीर में फैल जाता है। पिछले कुछ सालों में भारत में इंसेफेलाइटिस के मामले धीरे-धीरे बढ़े हैं। जिन लोगों का इम्यून सिस्टम कमजोर होता है उन्हें इंसेफेलाइटिस होने का खतरा ज्यादा होता है। शुरुआती लक्षणों में बुखार, ठंड लगना, जोड़ों में दर्द, मांसपेशियों में दर्द, थकान और दौरे शामिल हैं।

चिकनगुनिया

चिकिनगुनिया भी बारिश के सीजन में होने वाला रोग है। ये भारत और एशिया के अन्य हिस्सों में आम है। चिकनगुनिया के लगभग 1 लाख मामले हर साल सामने आते हैं। चिकनगुनिया बुखार फैलाने वाला मच्छर 29 डिग्री तापमान से ऊपर पैदा होता है जो मानसून के मौसम की शुरुआत में कहर ढहाता है। शुरुआती लक्षणों में सिरदर्द, बुखार, जी मिचलाना और जोड़ों में दर्द है। इस प्रकार, हमें सतर्क रहने की जरूरत है क्योंकि मानसून इस बीमारी से बचाव के लिए शुरू होता है।

वैक्सीनेशन के बाद डाइट में शामिल करें ये खास चीजें

कोरोना वायरस से बचाव के लिए वर्तमान में वैक्सीनेशन ही एकमात्र उपाय है। वैज्ञानिकों और डॉक्टरों का एक ही दावा है वैक्सीन से डरे नहीं और वैक्सीनेशन कराएं। लेकिन कोरोना वैक्सीनेशन के दौरान भी कुछ बातें हैं जिन्हें ध्यान में जरूर रखें। इससे आपका इम्युनिटी लेवल भी बढ़ेगा और साइड इफेक्ट से दर्द में राहत मिलेगी। जानते हैं अपने खाने में कौन-सी चीजें जरूर शामिल करें

लहसुन और प्याज- इन दोनों को खाने में खूब इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन इम्युनिटी बूस्टर के तौर यह बेहद लाभदायक है। लहसुन में विटामिन बी6, सी, फाइबर, सेलेनियम, मैंगनीज, कॉपर, पोटेशियम, फास्फोरस पाया जाता है। वहीं प्याज में विटामिन सी की प्रचुर मात्रा होती है।

अनाज- मुख्य रूप से साबुत अनाज अधिक फायदेमंद है। इसमें मौजूद तत्व साइड इफेक्ट को कम करने में मदद मिलती है। साबुत अनाज के अलावा ब्राउन राइस, ज्वार, ओट्स, रागी, सत्तू और पॉपकॉर्न भी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

पानी- विशेषज्ञों के अनुसार वैक्सीन से एक दिन पहले और वैक्सीन लगने के कुछ दिनों बाद तक खूब सारा पानी पिएं। इससे आपकी बॉडी हाइड्रेट रहेगी और साइड इफेक्ट का ज्यादा असर पता नहीं चलेगा।

हल्दी- हल्दी एक आयुर्वेदिक औषधि है। यह एक रामबाण दवा के रूप में काम करती है। वैक्सीनेशन के बाद आप रात को हल्दी का दूध भी पी सकते हैं।

ताजे फल- वैक्सीनेशन के बाद आपकी बॉडी में पानी की कमी नहीं होना चाहिए इसलिए अधिक से अधिक फल खाएं। गर्मी के मौसम में ऐसे कई सारे फल है जिनमें पानी की मात्रा अधिक होती है। तरबूज, खरबूजा, चीकू, आम इसके अलावा केले, अनार का भी सेवन कर सकते हैं। इन फलों से शरीर को ताकत भी मिलती है और पानी की कमी भी नहीं होती है।

हरी सब्जियां- हरी सब्जियों में मौजूद पोषक तत्व इम्युनिटी बूस्टर का काम ही करते हैं। वैक्सीनेशन के बाद हरी सब्जियों की मात्रा बढ़ा दें। इससे आपको ताकत भी मिलेगी और वैक्सीन का दर्द भी कम होगा।

मोटापे से दिलाएगा छुटकारा खाली पेट मेथी बीज के पानी का सेवन

बढ़ता वजन या मोटापा अगर आपके लिए भी परेशानी का कारण बना हुआ है तो इसका इलाज आपकी किचन में ही मौजूद है। जी हां, आपकी रसोई में मौजूद मेथी दाना न सिर्फ आपके बढ़ते वजन बल्कि आपके कई रोगों को ठीक करने में आपकी मदद कर सकता है। औषधीय गुणों से भरपूर मेथी में ढेर सारे न्यूट्रिएंट्स, एंटी ऑक्सीडेंट्स और सूजन रोधी गुण पाए जाते हैं। इतना ही नहीं खाली पेट मेथी के बीज का पानी पीने से सेहत को कई तरह के लाभ मिलते हैं। आइए जानते हैं मोटापा कम करने के लिए कैसे बनाएं मेथी के बीज का पानी।

कैसे बनाएं मेथी के बीज का पानी

- मेथी के बीज का पानी बनाने के लिए सबसे पहले 1 बड़ा बाउल लेकर उसमें पानी डालें और 2 चम्मच मेथी दाने को उस पानी में डालकर रात भर भिगोने के लिए रख दें। सुबह उठकर पानी को छान लें और खाली पेट सबसे पहले इस पानी का सेवन करें।
- इसके अलावा आप यह उपाय भी अपना सकती हैं। इस उपाय में आप 1 चम्मच मेथी दाने को पैन में बिना तेल के हल्का सा फ्राई कर लें और फिर ब्लेंडर में डालकर उसका पाउडर बना लें। 1 गिलास गर्म पानी में 1 चम्मच मेथी का पाउडर डालें, मिक्स करें और हर सुबह खाली पेट इस पानी को पिएं।

सुबह खाली पेट मेथी का पानी पीने के फायदे

मोटापा कम करने में मदद

मेथी में फाइबर की मात्रा अधिक होती है। इसके पानी का सेवन सुबह खाली पेट करने से लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस होता है और भूख जल्दी नहीं लगती। जिसकी वजह से वेट लॉस में काफी मदद मिलती है। इसके अलावा मेथी के पानी का सेवन करने से पेट फूलने की दिक्कत (ब्लोटिंग) भी नहीं होती है।

डायबिटीज

मेथी में 4-हाइड्रॉक्सिसिलुसीन नाम का एक एमिनो एसिड होता है। जो डायबिटीज को कम करने में मदद करता है।

पाचन तंत्र को रखें सेहतमंद

मेथी का पानी एसिडिटी, कब्ज और पेट से जुड़ी समस्याओं दूर करने में मदद करता है। इसके लिए आपको रोज सुबह खाली पेट मेथी का पानी पीना होगा।

दर्द को दूर करती है मेथी

मेथी का सेवन करने से शरीर में होने वाले दर्द से राहत मिलती है। एंटीऑक्सीडेंट और ऐंटि-इन्फ्लेमेट्री प्रॉपर्टीज से भरपूर मेथी शरीर के लिए बेहद फायदेमंद है। शरीर के दर्द को दूर करने के लिए मेथी का पाउडर, मेथी की चाय बनाकर भी उपयोग में लाया जा सकता है। मेथी दाना का पूरा फायदा उठाना है तो हर रोज मेथी का पानी पीना चाहिए।

नशे की बजाए औषधि के रूप में करें भांग का प्रयोग

आमतौर पर भांग के बीजों का इस्तेमाल नशे के रूप में किया जाता है लेकिन बहुत कम लोगों को मालूम हैं इसका प्रयोग कई दवाओं में भी किया जाता है। इसके बीजों के कई स्वास्थ्य लाभ हैं।

कई लोगों द्वारा भांग के बीज को एक सुपर फूड माना जाता है क्योंकि उनमें अधिक मात्रा में पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं। इसके सेवन से कई तरह के स्वास्थ्य लाभ होते हैं। ये बीज कैनबिस सतीव पौधे से आते हैं, जिसका प्सैकोएक्टिव ड्रग या औषधि के रूप में प्रयोग किया जाता है। कैनबिस को मारिजुआना, गांजा और भांग के नामों से भी जाना जाता है। आपको बता दें कि भांग एक आयुर्वेदिक औषधि है, लेकिन लोग इसका सेवन सिर्फ नशा के तौर पर करते हैं। वहीं अगर सीमित मात्रा में कई दूसरी औषधियों के साथ मिलाकर इसका प्रयोग करें तो तमाम बीमारियों से राहत मिल सकती है। ये छोटे भूरे बीज बेहद स्वस्थ होते हैं क्योंकि इनमें फाइबर, प्रोटीन और अन्य स्वस्थ फैटी एसिड होते हैं। यहां हम आपको भांग के सभी स्वास्थ्य लाभों के बारे में बता रहे हैं।

दिल की बीमारी के खतरे को कम करता

भांग के बीज अच्छे कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बनाए रखते हुए आपके दिल को स्वस्थ रखने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। यह वास्तव में एकमात्र पौधा है जिसमें संतृप्त वसा एक सही अनुपात में पाया जाता है। इसी के चलते इसके बीज एथेरोस्क्लेरोसिस, दिल के दौरे और स्ट्रोक को रोकने में मदद करते हैं। सैचुरेटेड फैट के अलावा ये बीज अमीनो एसिड, गामा-लिनोलिक एसिड और आर्जिनिन की उपस्थिति सूजन को कम करने में मदद करते हैं जिससे दिल की सेहत सही रहती है और रक्तचाप भी नियंत्रित होता है।

पाचन स्वास्थ्य में सुधार करता है

भांग फाइबर से भरपूर होती है और यह घुलनशील और अघुलनशील दोनों तरह के फाइबर का एक बड़ा स्रोत है। इसके बीजों में मौजूद फाइबर बाउल फंक्शन को स्टिम्युलेट यानी प्रोत्साहित करता है, इस तरह से ये कब्ज को रोकता है। इसके अलावा, फाइबर से पेट भरा हुआ महसूस कराता है और कोलेस्ट्रॉल के स्तर कंट्रोल में रहता है। साथ ही ये ग्लूकोज के अवशोषण को भी धीमा करता है।

अनिद्रा से राहत

बहुत से लोग विभिन्न कारणों से नींद की बीमारी से पीड़ित होते हैं। रात में एक अच्छी नींद पाने के लिए, आपको बस मुट्ठी भर भांग के बीज लेने की जरूरत है क्योंकि वे मैग्नीशियम से भरे होते हैं जो शरीर को आराम देने के लिए जाने जाते हैं। भांग के बीजों में डेली के लिए जरूरी मैग्जीनियम की 50% मात्रा पाई जाती है।

स्किन के लिए फायदेमंद

भांग के बीज आपकी स्किन के लिए भी फायदेमंद होते हैं। इसमें मुंहासे, लालिमा, एक्जिमा, शुष्क और सुस्त त्वचा, जलन को कम करने के गुण पाए जाते हैं। ऐसा बीजों में मौजूद फैटी एसिड के कारण होता है। अगर आपको स्किन संबंधी समस्या है तो शुद्ध भांग के बीज के तेल को त्वचा पर लगाकर इस्तेमाल कर सकते हैं। इन बीजों में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट, फैटी एसिड और विटामिन के कारण त्वचा और बालों के उत्पादों में एक महत्वपूर्ण घटक है।

वजन कम करने में सहायक

भांग के बीज प्रोटीन और फाइबर का स्रोत होने के साथ-साथ कैलोरी में कम होते हैं और इनमें सोडियम की अधिक मात्रा पाई जाती है। इसलिए वजन कम करने वाले लोगों के लिए भी मददगार है। ये भूख को कम करने में मदद करते हैं। इसके साथ ही इन बीजों में मौजूद फाइबर सभी पोषक तत्वों को अवशोषित कर लेता है, जिससे शरीर को सभी आवश्यक पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में मिल जाते हैं।

एनीमिया लोगों के लिए अच्छा

एनीमिया एक ऐसी स्थिति है जो शरीर में आयरन की कमी के कारण होती है और इसके कई दुष्प्रभाव हो सकते हैं जिनमें सुस्ती, सीने में दर्द और चक्कर आना शामिल हैं। आप भांग के बीजों का सीमित मात्रा में सेवन करके इस स्थिति को रोक सकते हैं क्योंकि इनमें आयरन की मात्रा अधिक होती है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पाकिस्तान के पीएम इमरान खान का बड़ा बयान, अमेरिका ने अस्त-व्यस्त कर दिया अफगानिस्तान

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में 2001 में हमले के मकसद करने और फिर कमजोर स्थिति से तालिबान के साथ राजनीतिक समाधान ढूढने की कोशिश को लेकर अमेरिका की मंशा पर सवाल खड़ा करते हुए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है किउसने (अमेरिका ने) ''वाकई वहां (अफगानिस्तान में) चीजें अस्त-व्यस्त कर दी है। '' खान ने यह भी कहा कि अफगानिस्तान की स्थिति का एकमात्र बेहतर समाधान राजनीतिक समझौता ही है जो 'समावेशी' हो और इसमें ''तालिबान समेत सभी गुट शामिल हो। ''

डॉन अखबार के अनुसार खान ने अमेरिकी खबरिया कार्यक्रम पीबीएस आवर में जूडी वुडरफ के साथ साक्षात्कार के दौरान कहा,''मैं समझता कि अमेरिका ने वाकई वहां चीजें अस्त-व्यस्त कर दी है।'' यह कार्यक्रम मंगलवार रात प्रसारित हुआ। तालिबान के साथ हुए करार के तहत अमेरिका और उसके नाटो सहयोगी देश आतंकवादियों के इस वादे के बदले अपने सभी सैनिकों को वापस बुलाने पर सहमत हो गये कि वे चरमपंथी संगठनों को अपने नियंत्रण वाले क्षेत्रों में अपनी गतिविधियां चलाने से रोकेंगे।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने घोषणा की कि अमेरिकी सैनिक 31 अगस्त तक अफगानिस्तान से बुला लिये जाएंगे। खान ने ''अफगानिस्तान में सैन्य हल ढूढने की कोशिश के लिए अमेरिका की आलोचना की क्योंकि कभी वैसा कुछ ऐसा (संभव) था ही नहीं।'' उन्होंने कहा, '' और मुझ जैसे जो लोग यह कहते रहे कि कोई सैन्य समाधान नहीं (संभव) है, क्योंकि हमें अफगानिस्तान का इतिहास मालूम था, तब हमें -- मुझ जैसे लोगों को अमेरिका-विरोधी कहा गया। मुझे तालिबान खान कहा गया।'' उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि जबतक अमेरिका को यह अहसास हुआ कि अफगानिस्तान में कोई सैन्य समाधान नहीं हो सकता तबतक 'दुर्भाग्य से अमेरिकियों एवं नाटो की मोल-भाव की शक्ति चली गयी।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि अमेरका को बहुत पहले ही राजनीतिक समाधान का विकल्प चुनना चाहिए था जब अफगानिस्तान में नाटो के डेढ़ लाख सैनिक थे। उन्होंने कहा, '' लेकिन एक बार जबउन्होंने सैनिकों की संख्या घटाकर महज 10000 कर दी तब , जब उन्होंने वापसी की तारीख बता दी, तब तालिबान ने सोचा कि वे तो जीत गये। इसलिए अब उन्हें समझौते के लिए साथ लाना बड़ा मुश्किल है।'' जब साक्षात्कारकर्ता ने पूछा किया क्या वह सोचते हैं कि तालिबान का उभार अफगानिस्तान के लिए एक सकारात्मक कदम है तो प्रधानमंत्री ने दोहराया कि केवल अच्छा नतीजा राजनीतिक समझौता होगा ''जो समावेशी हो।'' उन्होंने कहा, '' निश्चित ही, तालिबान सरकार का हिस्सा होगा।'' अफगानिस्तान में गृह युद्ध के संदर्भ में खान ने कहा, '' पाकिस्तान के दृष्टिकोण से यह सबसे बुरी स्थिति है क्योंकि हमारे समक्ष दो परिदृश्य है, उनमें एक शरणार्थी समस्या है।'' उन्होंने

कहा, '' पहले से ही, पाकिस्तान 30लाख से अधिक शरणार्थियों को शरण दे रहा है। और हमारा डर है कि गृहयुद्ध लंबा खिंचने से और शरणार्थी आयेंगे। हमारी आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है कि हम और प्रवासियों को झेल पायें।'' उन्होंने कहा कि दूसरी समस्या के तहत गृहयुद्ध के सीमा पार करके पाकिस्तान पहुंचने का डर है। उन्होंने कहा कि दरअसल तालिबान जातीय रूप से पश्तून हैं और ''यदि यह (अफगानिस्तान के गृहयुद्ध एवं हिंसा) जारी रहता है तो हमारे ओर के पश्तून उसमें खिंचे चले जायेंगे।

सार समाचार

फलस्तीनी लड़के की मौत की जांच कर रहा इजराइल, सैनिकों ने मारी थी गोली

यरूशलम। इजराइली सेना ने कहा है कि उसने 12 वर्षीय फलस्तीनी लड़के को गोली लगने के मामले की जांच शुरू कर दी है। दक्षिणी वेस्ट बैंक के निवासियों का कहना है कि लड़का अपने पिता के साथ कार में सवार होकर जा रहा था जब सेना की गोलीबारी में उसकी मौत हुई। एक बयान में, सेना ने कहा कि सैनिकों के संदिग्ध कदाचार की जांच करने वाले वरिष्ठ कमांडिंग ऑफिसर और सैन्य पुलिस बुधवार को हुई इस घटना के बारे में पता लगा रहे हैं। यह घटना हेबरोन शहर के पास बेत उमर कस्बे में हुई। सेना ने कहा कि सैनिकों ने एक कार पर गोली चलाई जो कई बार चेतावनी देने के बावजूद जांच चौकी पर नहीं रुकी थी। बेत उमर के मेयर नासरी सबरनेह ने कहा कि गांव का निवासी मोयाद अल अलामी अपने बेटे और बेटी के साथ कार से जा रहा था जब उसने एक दुकान पर रुकने के लिए गाड़ी मोड़ी। सेना ने कहा कि उसने कार को रोकने की कोशिश की थी लेकिन जब वह नहीं रुकी तो उन्होंने वाहन पर गोली चलाई जो लड़के मोहम्मद अल अलामी के सीने में लग गई। फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने लड़के की मौत की पुष्टि की है।

फिलिपींस के राष्ट्रपति ने किया लोगों को आगाह, कहा- वैक्सीन ना लगवाने वाले को घर में ही रहना होगा

मनीला। फिलिपींस के राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेर्ते ने आगाह किया कि कोविड-19 रोधी टीका लगाने से मना करने वाले नागरिकों को कोविड-19 के अधिक संक्रामक 'डेल्टा' स्वरूप से बचाए रखने के मद्देनजर घर से निकलने की अनुमति नहीं दी जाएगी। दुतेर्ते ने बुधवार रात कहा कि इस पाबंदी को अनिवार्य बनाने के लिए कोई कानून नहीं है लेकिन वह देश में संक्रमण फैलाने वाले लोगों को व्यवस्था के दायरे में रखने के लिए मुकदमों का सामना करने को तैयार हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि वे लोग जो टीके नहीं लगवाना चाहते '' मुझे उनकी परवाह है, लेकिन ऐसे वे कभी भी खुद को खतरे में डाल सकते हैं।'' फिलिपींस हालांकि टीकों की कमी का सामना कर रहा है। देश में करीब 70 लाख लोगों का पूर्ण टीकाकरण हुआ है और 1.1 करोड़ से अधिक लोगों को पहली खुराक दी जा चुकी है।

तोक्यो में कोरोना मामले में बढ़ोतरी के बाद अधिकारियों ने दी चेतावनी, कहा-इतने मामले पहले नहीं देखें

तोक्यो। जापानी अधिकारियों ने तोक्यो में लगातार दूसरे दिन कोरोना संक्रमण के मामलों में रिकॉर्ड बढोतरी के बाद चेतावनी दी है। मुख्य कैबिनेट सचिव कात्सुनोबू कातो ने कहा ,'' हमने कोरोना संक्रमण के मामलों में इतनी बढोतरी पहले नहीं देखी थी।'' उन्होंने कहा कि नये मामले तोक्यो में ही नहीं बल्कि पूरे जापान में बढ रहे हैं। तोक्यो में कल 3177 नये मामले आये थे। सरकार के शीर्ष मेडिकल सलाहकार डॉक्टर शिगेरू ओमी ने कहा ,'' संक्रमण दर कम होने का नाम ही नहीं ले रही। कई कारणों से यह बढ रही है। सबसे बड़ा जोखिम तो यह है कि इसे संकट मान ही नही रहे हैं जिससे संक्रमण बढता जा रहा है। इससे चिकित्सा तंत्र दबाव में आ गया है।'' तोक्यो में 12 जुलाई से चौथा आपातकाल लागू है। घरों पर रहने के अनुरोध के बावजूद लोग सड़कों पर घूम रहे हैं। तोक्यो में डेल्टा वैरिएंट से मामले बढे हैं लेकिन इसके कोई साक्ष्य नहीं है कि इसका प्रसार ओलंपिक प्रतिभागियों से जापान के लोगों को हुआ है। तोक्यो के अधिकारियों ने गुरूवार को कहा कि दो विदेशी खिलाड़ी अस्पताल में हैं और 38 अन्य होटल में पृथकवास में है। जापान में 9500 से अधिक मामले आये हैं जो नया रिकॉर्ड है।बुधवार को संक्रमितों की संख्या 892000 थी और 15000 मौतें हो चुकी है। अभी जापान की 26 . 3 प्रतिशत आबादी को टीके की दोनों डोज लगी है।

बुल्गारिया ने 31 अगस्त तक कोविड आपातकाल बढ़ाया

सोफिया। कैबिनेट ने एक बयान में कहा, बल्गेरियाई सरकार ने देशव्यापी कोविड आपातकाल को 31 अगस्त तक बढ़ा दिया है। समाचार एजेंसी ने बुधवार को बयान के हवाले से कहा कि देश में हासिल की गई कोविड के प्रसार में गिरावट को बनाए रखना आवश्यक है, साथ ही एक संभावित नई लहर का जवाब देने के लिए स्वास्थ्य प्रणाली तैयार करना आवश्यक है। आपातकाल को शुरू में पिछले साल 14 मई को एक महीने की अवधि के साथ घोषित किया गया था। जुलाई के अंत तक अंतिम विस्तार के साथ इसे पहले ही कई बार बढ़ाया जा चुका है। बयान के अनुसार, देश में प्रवेश के लिए प्रतिबंधों के सख्त आवेदन से बुल्गारिया में नए कोरोनावायरस वेरिएंट के प्रसार की संभावना को कम करने में मदद मिलेगी। इसने यह भी कहा कि टीकाकरण मुख्य महामारी रोधी उपाय था, इसलिए विभिन्न आयु और सामाजिक समूहों के लोगों को कोविड-19 के खिलाफ टीकाकरण के लाभों के बारे में जागरूकता में सुधार करना महत्वपूर्ण था।

नॉर्वे ने कोरोना केस बढ़ने पर फिर से खोलने की योजना के अंतिम चरण को स्थगित किया

ओस्लो। स्वास्थ्य और देखभाल सेवा मंत्री बेंट होई के अनुसार, दूसरी बार, नॉर्वे तेजी से फैल रहे डेल्टा कोविड वेरिएंट पर चिंताओं के कारण देश की फिर से खोलने की योजना के अंतिम चरण को दो सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया गया है। समाचार एजेंसी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में होई के हवाले से कहा, इस बात को लेकर अनिश्चितता है कि नॉर्वे में डेल्टा वेरिएंट कैसा होगा। मंत्री ने कहा, इसलिए सरकार ने नॉर्वे के स्वास्थ्य निदेशालय और नॉर्वेजियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ की सलाह का पालन करने और फिर से खोलने की योजना में चरण चार की प्रतीक्षा करने के लिए चुना है। 5 जुलाई को, सरकार ने एनआईपीएच और नॉर्वे के स्वास्थ्य निदेशालय की सलाह के बाद फिर से खोलने की योजना को स्थगित करने का फैसला किया। होई ने कहा कि महामारी खत्म नहीं हुई है, वहीं प्रेस कॉन्फ्रेंस में कई यूरोपीय देशों में नए कोरोनोवायरस मामलों में वृद्धि को निर्णय के लिए प्रभावशाली बताया।

अफगानिस्तान पर भारत का बयान, कहा- हम सभी शांति पहल का समर्थन करते हैं!

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत ने बृहस्पतिवार को कहा कि संप्रभुता संपन्न, लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण अफगानिस्तान का समर्थन करना भारत की एक अटल नीति रही है तथा वह क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पक्षों सहित अफगानिस्तान के भीतर एवं बाहर हितधारियों के साथ संपर्क बनाए हुए है। विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने एक सवाल के लिखित जवाब में राज्यसभा को बताया, ''भारत एक समावेशी अफ़गान नेतृत्व में अफ़गान के अधीन और अफ़गान द्वारा नियंत्रित प्रक्रिया के जरिए स्थायी राजनीतिक समाधान की ओर ले जाने वाली सभी शांति पहलों का समर्थन करता है, जिससे क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनी रहे।'' उन्होंने कहा कि एक निकटतम पड़ोसी और रणनीतिक साझेदार होने के नाते, भारत के पास संप्रभु, लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण अफ़गानिस्तान का समर्थन करने के लिए एक स्थायी नीति है, जिससे महिलाओं, बच्चों और अल्पसंख्यकों सहित अफ़गानी समाज के सभी वर्गों के हितों की रक्षा की जाती है। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 2020 में दोहा में आयोजित एक अंतर-अफ़गान बातचीत के पहले सत्र में भाग लिया था। उल्लेखनीय है कि अमेरिका ने एक मई से अपने सैनिकों को वापस बुलाना शुरू किया है और उसके बाद तालिबान व्यापक हिंसा के साथ पूरे अफगानिस्तान में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अमेरिका पहले ही अपने अधिकतर सैनिकों को वापस बुला चुका है और 31 अगस्त तक सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया को पूरा करना चाहता है।

तिरुमूर्ति ने कहा, भारत ने आतंकवाद पर ध्यान को कम करने के प्रयासों को लगातार रोका

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत टी एस तिरुमूर्ति ने कहा कि उनके देश ने आतंकवाद से लड़ने और इस संकट पर ध्यान को ''कमजोर'' करने के प्रयासों को रोकने के लिए सुरक्षा परिषद के भीतर और बाहर लगातार इस पर जोर दिया है। भारत को अगले महीने सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता के दौरान आईएसआईएल पर महासचिव की रिपोर्ट से संबंधित कई कार्यक्रम आयोजित करने हैं। भारत एक अगस्त को संयुक्त राष्ट्र की 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता संभालेगा। यह सुरक्षा परिषद के गैर स्थायी सदस्य के तौर पर 2021-22 कार्यकाल के दौरान भारत की पहली अध्यक्षता है। भारत अगले साल दिसंबर में फिर से सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता करेगा। तिरुमूर्ति ने कहा, ''भारत परिषद के भीतर और बाहर दोनों जगह आतंकवाद से लड़ने पर जोर देता रहा है। हमने आतंकवाद से लड़ने के प्रयासों को न केवल मजबूत किया है खासतौर से आतंकवाद के वित्त पोषण को, बल्कि हमने आतंकवाद पर ध्यान को कमजोर करने की कोशिशों को भी रोका है।''

अपनी अध्यक्षता के दौरान भारत समुद्री सुरक्षा, शांति रक्षा और आतंकवाद को रोकने जैसे विषयों पर ध्यान देगा तथा इन मुद्दों पर उच्च स्तरीय कार्यक्रमों

की अध्यक्षता करेगा। इस साल की शुरुआत में भारत ने कहा था कि इस्लामिक स्टेट इन इराक एंड द लेवांत (आईएसआईएल) पर महासचिव की रिपोर्ट में आईएसआईएल तथा अल कायदा के तहत आने वाले प्रतिबंधित संगठन मसलन लश्कर-ए-तैयबा और अन्य पाकिस्तानी आतंकवादी समूह मसलन जैश-ए-मोहम्मद की गतिविधियां भी शामिल होनी चाहिए। भारतीय राजदूत ने फरवरी में सुरक्षा परिषद के एक सम्मेलन में कहा था, ''दुनिया पूरी तरह अवगत है कि ये आतंकवादी समूह पाकिस्तान में पनाहगाहों से आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देते हैं जिनमें अफगानिस्तान में हिंसक हमले भी शामिल है जिससे शांति प्रक्रिया बाधित हुई।'' आतंकवाद से संबंधित मुद्दों पर हाल के महीनों में भारत की भूमिका पर जोर देते हुए तिरुमूर्ति ने कहा कि वैश्विक आतंकवाद रोधी रणनीति पर भारत ने इस रणनीति के अंतिम परिणाम को आकार देने में अत्यधिक सक्रिय भूमिका निभायी।

उम्मीद है कि अमेरिका एवं यूरोप बेलारूस पर नए प्रतिबंध लगाएंगे : विपक्ष की नेता

न्यूयॉर्क। (एजेंसी)।

बेलारूस में संकटग्रस्त विपक्ष की नेता ने उम्मीद जताई है कि देश पर अमेरिका और यूरोप के नए प्रतिबंध जल्द लागू होंगे, जिससे अलेक्जेंडर लुकाशेंको का शासन ढह जाएगा और सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण होगा, जिसकी लोकतंत्र समर्थक तैयारी कर रहे हैं। देश में पिछले साल अगस्त में हुए विवादित चुनाव में लुकाशेंको की मुख्य प्रतिद्वंद्वी रहीं स्वेतलाना त्सिखानौस्काया ने बताया कि पूर्व सोवियत संघ अनेपक्षित रूप से छह दिन में ढह गया था और ''बेलारूस में भी यही स्थिति हो सकती है।''

उन्होंने अमेरिका के वॉशिंगटन में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों एवं सांसदों से मुलाकात की और अमेरिका से बेलारूस में असंतुष्ट लोगों पर लुकाशेंको की कार्रवाई के जवाब में ''सक्रिय और गैर प्रतीकात्मक'' कदम उठाने की अपील की। त्सिखानौस्काया ने बुधवार को अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन से मुलाकात की। बाइडन ने ट्वीट किया कि त्सिखानौस्काया से मिलना उनके लिए ''सम्मान की बात'' है। उन्होंने कहा, ''अमेरिका लोकतंत्र और सार्वभौमिक मानवाधिकारों के लिए बेलारूस के लोगों के साथ खड़ा है'' त्सिखानौस्काया ने बाइडन के साथ बैठक को ''आगे की ओर एक बड़ा कदम'' बताया, लेकिन कहा कि ''अभी बहुत लंबा रास्ता तय करना है''। उन्होंने 'द एसोसिएटेड प्रेस' को फोन पर दिए साक्षात्कार में कहा, ''मुझे राष्ट्रपति बाइडन का समर्थन मिला है कि अमेरिका हमारी बहुत कठिन लड़ाई में बेलारूस के साथ खड़ा रहेगा।'' त्सिखानौस्काया ने कहा कि उन्होंने बेलारूस पर विशिष्ट नए प्रतिबंधों पर चर्चा नहीं की, लेकिन लुकाशेंको शासन पर दबाव बढ़ाने की आवश्यकता के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि शासन को कमजोर करने का ''सबसे शक्तिशाली माध्यम'' प्रतिबंध हैं और उन्हें विश्वास है कि ''अमेरिका इस लड़ाई में बेलारूसियों के साथ खड़ा रहने के लिए हर संभव प्रयास'' करेगा। उन्होंने कहा, ''मुझे यकीन है कि जल्द ही नए प्रतिबंध लगाए जाएंगे और यूरोपीय प्रतिबंधों के साथ अमेरिकी प्रतिबंध शासन पर एक बड़ा प्रभाव डालेंगे।'' लुकाशेंको को अगस्त 2020 में छठी बार विजेता घोषित किए जाने के बाद कई महीनों तक विरोध प्रदर्शन हुए थे। विपक्ष और पश्चिमी देशों ने आरोप लगाया है कि ये चुनाव स्वतंत्र एवं निष्पक्ष नहीं थे।

बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका पहुंचे चीन के नए राजदूत छिन गांग, क्या संबंध सुधरेंगे?

बीजिंग। (एजेंसी)।

अमेरिका के साथ तनावपूर्ण संबंधों के बीच बुधवार को वाशिंगटन पहुंचने के बाद चीन के नए राजदूत छिन गांग ने दोनों देशों के बीच प्रतिस्पर्धात्मक एवं विवादास्पद संबंधों के सामने नए चुनौतियों को रेखांकित किया, लेकिन उन्होंने अमेरिका की आलोचना नहीं की। वाशिंगटन में चीनी दूतावास की तरफ से पोस्ट किए गए बयान में गांग ने कहा, '' चीन और अमेरिका आपसी समझ विकसित करने और अनुकूलन के नए दौर में प्रवेश कर रहे हैं। वे नए दौर में एक दूसरे साथ चलने के तरीके खोजने का प्रयास कर रहे हैं।'' वह ऐसे समय में अमेरिका पहुंचे हैं, जब दोनों देशों के संबंध पिछले कुछ दशकों के सबसे खराब दौर से गुजर रहे हे।

कारोबार, प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा, मानवाधिकार और चीन की विदेश नीति समेत कई मामलों पर दोनों देशों के बीच मतभेद हैं। गांग (55) हाल में चीन के नौ उप विदेश मंत्रियों में

शामिल थे और वह दो बार मंत्रालय के प्रवक्ता रहे हैं। बीजिंग स्थित रेनमिन विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय संबंधों के प्रोफेसर शी यिनहोंग ने कहा, ''पश्चिम और अमेरिका के प्रति उनकी सार्वजनिक टिप्पणियां पूर्व चीनी राजदूतों की तुलना में अधिक सख्त हैं।'' वर्तमान में चीन में अमेरिका का कोई राजदूत नहीं है, लेकिन अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन नाटो के पूर्व राजदूत और विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता निकोलस बर्न्स को इस पद के लिए नामित कर सकते हैं।

अफगानिस्तान पर जबरन कब्जे के खिलाफ है भारत, राज्यसभा में बोले विदेश मंत्री- हिंसा का राजनीतिक समाधान हो

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में मौजूदा हालात पर भारत ने अपनी स्थिति साफ की है। केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने राज्यसभा में कहा है कि भारत, अफगानिस्तान को जबरन कब्जे में लिये जाने के खिलाफ है। भारत ने साफ किया है कि अफगानिस्तान में जारी हिंसा के राजनीतिक समाधान को ही भारत सपोर्ट करता है। विदेश मंत्री ने गुरुवार को राज्यसभा को बताया कि अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ उनकी अफगानिस्तान के मसले पर विस्तृत चर्चा हुई है। चर्चा के बाद दोनों ही देश इस बात पर सहमल हुए हैं कि हिंसा के जरिए अफगानिस्तान पर जबरन कब्जा नहीं होना चाहिए।

विदेश मंत्री ने कहा कि अफगानिस्तान की समस्या का समाधान मिलिट्री के जरिए नहीं हो सकता है। हम अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करेंगे कि अफगानिस्तान में हो रही हिंसा का राजनीतिक समाधान निकाला जा सके। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ एस जयशंकर की बुधवार को मुलाकात हुई थी। इस मुलाकात के बाद ब्लिंकन ने भी अफगानिस्तान में हिंसा को गलत ठहराते हुए परिस्थितियों के मुताबिक राजनीतिक हल निकाले जाने की बात कही थी। अमेरिका ने बुधवार को कहा कि अफगानिस्तान के संघर्ष का कोई सैन्य समाधान नहीं हो सकता और इस क्षेत्र में एक नेता एवं अमेरिका के अहम सहयोगी के तौर पर भारत अफगानिस्तान की स्थिरता व विकास में महत्वपूर्ण योगदान देना जारी रखेगा। अफगानिस्तान में तालिबान के तेजी से उभरने के बीच वहां उत्पन्न हो रही स्थिति और अन्य मुद्दों पर दोनों पक्षों में व्यापक चर्चा के बाद अपने भारतीय समकक्ष एस जयशंकर के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने यह स्पष्ट दावा किया था। अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा था कि शांतिपूर्ण, सुरक्षित और स्थिर अफगानिस्तान में भारत और अमेरिका की गहरी रुचि है। इस क्षेत्र में एक नेता और एक महत्वपूर्ण साझेदार के रूप में भारत ने अफगानिस्तान की

स्थिरता और विकास के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है और आगे भी ऐसा करना जारी रखेगा तथा हम गठबंधन सेनाओं की देश(अफगानिस्तान) से वापसी के बाद भी अफगान लोगों के हितों की अक्षुण्णता एवं क्षेत्रीय स्थिरता के लिये साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे।

स्वदेशी आस्ट्रेलियाई लोगों में आत्महत्या के मामलों की दर बढ़ी

कैनबेरा (एजेंसी)।

गुरुवार को प्रकाशित एक नई रिपोर्ट से पता चला है कि गैर-स्वदेशी लोगों की तुलना में स्वदेशी आस्ट्रेलियाई लोगों के कैद होने, आत्महत्या से मरने जैसे मामले अधिक है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, क्लोजिंग द गैप कार्यक्रम द्वारा रिपोर्ट प्रकाशित की गई थी, जिसका उद्देश्य आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट आइलैंडर लोगों के बीच नुकसान को कम करना है। गुरुवार की रिपोर्ट में बताया गया कि रणनीति पर डेटा प्रकाशित किया गया है क्योंकि संघीय, राज्य और क्षेत्र की सरकारें जुलाई 2020 में ढांचे को ओवरहाल करने के लिए स्वदेशी संगठनों के साथ एक समझौते पर पहुंच गई हैं। यह पाया गया कि साल 2005-2007 की आधार रेखा के बाद से आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट आइलैंडर लोगों के लिए जीवन प्रत्याशा में सुधार ने लड़कों के लिए 8.6 साल और 2015-2017 में लड़कियों के लिए 7.8 साल के अंतर को कम कर दिया है। 2019 में स्वदेशी लोगों के बीच आत्महत्या की दर बढ़कर 27.1 प्रति 100,000 हो गई। समझौते के लक्ष्यों में एक दशक के भीतर स्वदेशी कैद दरों को 15 प्रतिशत तक कम करने का लक्ष्य है। रिपोर्ट में पाया गया कि जून 2020 में स्वदेशी कैद दर बढ़कर 2,081 प्रति 100,000 लोगों पर पहुंच गई, जबकि राष्ट्रीय लक्ष्य को पूरा नहीं किया जा सका।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

युवक का सरेआम गला रेत आत्महत्या का प्रयास, पुलिस जवानों ने अस्पताल पहुंचाया

क्रांति समय दैनिक

सूरत,शहर के पांडेसरा क्षेत्र के प्रमुख पार्क सोसायटी के निकट एक युवक ने सरेआम अपना गला काटकर आत्महत्या का प्रयास करने की कोशिश की। हांलाकि समय रहते पुलिस और टीआरबी के जवान मौके पर पहुंच गए और युवक को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के मुताबिक सूरत के पांडेसरा क्षेत्र की प्रमुख पार्क सोसायटी के निकट एक युवक ब्लैड से अपना गला काटकर आत्महत्या का प्रयास कर रहा था। युवक बार बार अपने गले पर ब्लैड से वार कर रहा था। युवक की हरकत देख एक एक्टिवा चालक ने कुछ दूरी तैनात पुलिस जवानों को इसकी जानकारी दी। खबर मिलते ही पुलिस और टीआरबी के जवान घटनास्थल पर पहुंच गए। जहां एक युवक अपने

गले पर ब्लैड मार रहा था। उसके आसपास तमाशबीनों की भीड़ जमा थी, कोई भी युवक को रोकने का प्रयास नहीं कहा था। कई लोग तो घटना का वीडियो बना रहे थे। घटनास्थल पर पहुंचे पुलिस जवान ने युवक का हाथ पकड़ लिया, ताकि वह अपने गले पर ब्लैड न मारे। लेकिन युवक मानने को तैयार नहीं था। जिससे उसके हाथ-पैर बांध दिए और एम्ब्युलैंस 108 को खबर दे दी। घटनास्थल पर पहुंची एम्ब्युलैंस 108 ने युवक को सिविल अस्पताल पहुंचाया। जहां उसका उपचार चल रहा है। सिविल अस्पताल के डॉक्टरों का मानना है कि युवक मानसिक रूप से बीमार है। फिलहाल युवक की तबियत ठीक होने के बाद उससे पूछताछ की जाएगी।

गुजरात एटीएस को बड़ी सफलता, 175 करोड़ के ड्रग्स मामले का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद, कच्छ की जल सीमा से बरामद हुए करोड़ों रूपए के ड्रग्स केस में गुजरात एन्टी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) को बड़ी सफलता मिली है। गुजरात एटीएस ने इस मामले के मुख्य आरोपी साहिद कासम सुमरा को गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि पिछले साल जनवरी महीने में गुजरात एटीएस, एसओजी और भारतीय तट रक्षक बल ने संयुक्त ऑपरेशन कर कच्छ के समुद्र से रु 175 करोड़ का हेरोइन बरामद किया था। पाकिस्तानी बोट द्वारा नशीले पदार्थों की डिलीवरी के बारे में पूर्व सूचना के आधार पर गुजरात एटीएस, एसओजी और भारतीय कोस्ट गार्ड संयुक्त कार्यवाही करते हुए कच्छ के जखौ की जल सीमा से फिसिंग बोट से रु 175 करोड़ का ड्रग्स जब्त किया था। फिशिंग बोट साथ ही पांच पाकिस्तानियों को भी गिरफ्तार कर लिया था। मामले की जांच में खुलासा हुआ था कि बरामद किया गया ड्रग्स नेधरलैंड पहुंचाया जाना था। ड्रग्स को पहले कच्छ के जखौ में एक शख्स को सौंपा जाना था। जखौ में ड्रग्स रिसीव करने वाले शख्स को इस काम के लिए रु 50 से रु 70 लाख मिलने थे7 ड्रग्स प्राप्त करने के बाद इसे दिल्ली पहुंचाया जाना था। दिल्ली से अफगानिस्तान के एक शख्स के जरिए ड्रग्स रूस और नेधरलैंड पहुंचाने की योजना थी। लेकिन जखौ में ड्रग्स रिसीव करने से पहले गुजरात एटीएस और भारतीय कोस्ट गार्ड ने 175 करोड़ रूपए कीमत का ड्रग्स जब्त कर लिया। ड्रग्स मामले के मुख्य आरोपी पाकिस्तान का हुसैन बलौची और साहिद कासम सुमरा थे। गुजरात एटीएस ने साहिद कासम सुमरा को गिरफ्तार कर लिया है। साहिद सुमरा भारत के अलग अलग चार मामलों में फरार था। एनआईए और पंजाब के एक मामले में भी कासम सुमरा आरोपी है।

सूरत में दबाव हटाने जा रहे लारीवाला और नगर पालिका टीम के बीच हाथापाई हो गई

सूरत शहर के वराछा के मटावाड़ी इलाके में दबाव कम करने पहुंचे नगर निगम की टीम और लारीवाला के बीच हाथापाई के बाद हाथापाई के दृश्य बन गए. सार्वजनिक तौर पर नगर पालिका के दबाव विभाग के कर्मचारियों और महीनों से पसीना बहा रहे लॉरी चालकों के बीच हाथापाई हुई. हालांकि मामला तब तूल पकड़ गया जब राहगीरों ने बीच-बचाव कर दोनों पक्षों को अलग कर दिया।

सार-समाचार

मोबाइल फटने से किशोरी की दर्दनाक मौत, चार्जिंग में लगाकर मोबाइल पर बात कर रही थी

मेहसाणा,जीवन की महत्वपूर्ण जरूरत बन चुका मोबाइल फोन मेहसाणा की एक किशोरी के लिए जानलेवा साबित हुआ। किशोरी मोबाइल को चार्जिंग में लगाकर किसी से बात कर रही थी। उस वक्त मोबाइल में अचानक ब्लास्ट हुआ और गंभीर चोट लगने से किशोरी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक मेहसाणा जिले की बहुचराजी तहसील के छेटासणा गांव निवासी शंभुभाई प्रभातभाई देसाई की बेटी श्रद्धा ने बुधवार की सुबह घर की ऊपरी मंझिल पर मोबाइल चार्जिंग में लगाया था। एक ओर मोबाइल चार्ज हो रहा था, दूसरी ओर किशोरी मोबाइल पर किसी से बात कर रही थी। उस वक्त अचानक मोबाइल में ब्लास्ट हो गया। धमाका इतना जबर्दस्त था कि किशोरी गंभीर रूप से घायल हो गई और उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

सड़क पार कर रहे युवक को कार ने कुचला, घटनास्थल पर मौत

अहमदाबाद, शहर के नारोल-पिराणा के बीच सड़क पार कर रहे युवक की कार के चपेट में आने से मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई जब युवक सड़क पार कर रहा था। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। ट्रैफिक के डिवीजन पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के नारोल-पिराणा रोड पर एक युवक सड़क पार कर रहा था। उस वक्त तेज रफ्तार में आई बोलेरो कार ने सड़क पार कर रहे युवक को अपनी चपेट में ले लिया। कार की टक्कर से युवक सड़क पर गिर गया और बोलेरो कार उसे रौंदते हुए आगे बढ़ गई। युवक को कुचलने के बाद कार चालक ने एक मोटर साइकिल को भी टक्कर मारी और मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही ट्रैफिक के डिवीजन पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और बोलेरो कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की। जीजे 27 टीटी 5385 नंबर की कार हार्दिक शाह के नाम आरटीओ में पंजीकृत है। हार्दिक शाह अहमदाबाद के खोखरा क्षेत्र के सुरीकेषनगर का निवासी होने का पता चला है। हांलाकि इस हादसे में मारे गए युवक की फिलहाल शिनाख्त नहीं हुई है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

भारत में तय समय से 4 साल पहले बाघों की संख्या हुई दोगुनी, पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को अंतरार्ष्ट्रीय बाघ दिवस के मौके पर कहा कि बाघों के संरक्षण के मामले में सेंट पीटर्सबर्ग घोषणापत्र में जो समय सीमा तय की गई है, उसे मद्देनजर रखते हुए भारत ने बाघों की तादाद दोगुनी करने का लक्ष्य चार साल पहले ही हासिल कर लिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर सभी वन्यजीव प्रेमियों को बधाई दी है, खासतौर से उन लोगों को जो बाघों के संरक्षण के लिए बहुत सचेत हैं। अपने कई ट्वीटों में प्रधानमंत्री ने अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा, अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर वन्यजीव प्रेमियों को बधाई, खासतौर से उन लोगों को जो बाघों के संरक्षण के लिए बहुत सचेत हैं। दुनिया भर में जितने बाघ हैं, उनमें से 70 प्रतिशत बाघों का घर भारत है। हम एक बार फिर यह प्रतिबद्धता व्यक्त करते हैं कि हम अपने बाघों के लिए सुरक्षित प्राकृतिक वास सुनिश्चित करेंगे और बाघों के अनुकूल इको-सिस्टम को बढ़ावा देंगे। पीएम मोदी ने कहा, भारत में बाघों के 51 अभ्यारण्य हैं, जो 18 राज्यों में फैले हैं। बाघों की पिछली गणना 2018 में हुई थी, जिससे पता चला था कि बाघों की संख्या बढ़ रही है। बाघों के संरक्षण के मामले में सेंट पीटर्सबर्ग घोषणापत्र में जो समय सीमा तय की गई है, उसे मद्देनजर रखते हुये भारत ने बाघों की तादाद दुगनी करने का लक्ष्य चार साल पहले ही हासिल कर लिया है।

दुष्कर्म मामले में गिरफ्तार सरकारी ड्राइवर को सस्पेंड कर दिया गया है : सीएम

पणजी। गोवा सरकार ने राज्य के कृषि मंत्रालय में कार्यरत एक 33 वर्षीय ड्राइवर को इस सप्ताह के शुरू में दक्षिण गोवा के कोलवा समुद्र तट पर दो किशोरियों के दुष्कर्म में शामिल होने के आरोप के बाद निलंबित कर दिया है। मंत्री प्रमोद सावंत ने गुरुवार को गोवा विधानसभा को यह जानकारी दी। सावंत ने चल रहे मानसून सत्र में कहा, मामले में शामिल सरकारी कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है। उन्हें पहले निलंबित किया गया है और उसके बाद बर्खास्तगी की जाएगी। 24 जुलाई की रात कोलवा बीच पर दो किशोरों से कथित दुष्कर्म के मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों में से एक राजेश माने राज्य के कृषि मंत्रालय से जुड़े ड्राइवर हैं।

मुद्दों पर चर्चा करने से इनकार कर भाजपा लोकतंत्र को दबा रही : चिदंबरम

नई दिल्ली। संसद में जारी गतिरोध के बीच, पूर्व वित्त मंत्री और राज्यसभा सांसद पी. चिदंबरम ने गुरुवार को विपक्ष द्वारा उठाए गए मुद्दों पर सदन में चर्चा नहीं करने के लिए सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने एक बयान में कहा, विपक्ष (पेगासस, कृषि कानून) द्वारा उठाए गए मामलों पर सरकार द्वारा जिद्दी रवैया अपनाकर चर्चा करने से इनकार करने से संसद में गतिरोध है। उन्होंने कहा, भाजपा सदस्यों के उपस्थिति पत्र पर हस्ताक्षर करने से इनकार करने के कारण, एक संसदीय समिति बाधित हो गई है और शायद भंग होने की राह पर है। 15 अगस्त को क्या मनाया जाएगा? एक कमजोर लोकतंत्र? पेगासस जासूसी विवाद के मुद्दे पर एक संयुक्त विपक्ष संसद में सरकार पर हमलावर रही है। विपक्षी सांसदों ने दोनों सदनों में स्थगन प्रस्ताव के लिए नोटिस दिया है। लोकसभा में कांग्रेस सांसद मनिकम टैगोर और मनीष तिवारी पहले ही स्थगन प्रस्ताव के लिए नोटिस भेज चुके हैं।

केंद्र के बाद यूपी सरकार ने डीए बढ़ाने की तैयारी की

लखनऊ। केंद्र के नक्शेकदम पर चलते हुए उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने भी राज्य सरकार के कर्मचारियों का महंगाई भत्ता (डीए) बढ़ाने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री ने वित्त विभाग को तुरंत एक योजना तैयार करने का निर्देश दिया है जिससे राज्य सरकार के लगभग 16 लाख कर्मचारियों और 12 लाख पेंशनभोगियों को लाभ होगा। कोविड महामारी के मद्देनजर राज्य के खजाने पर वित्तीय भार के कारण 2020 में डीए संशोधन को रोक दिया गया था। उत्तर प्रदेश सरकार ने अप्रैल 2020 में घोषणा की थी कि 1 जुलाई 2021 तक डीए में कोई वृद्धि नहीं की जाएगी। आम तौर पर 1 जनवरी और 1 जुलाई को सालाना दो बार डीए बढ़ाया जाता है। संशोधन को टालने के फैसले ने सरकारी कर्मचारियों को तीन वेतन वृद्धि से वंचित कर दिया है।

ग्रामीण क्षेत्रों में खेलों को मिलेगा बढ़ावा, बन रहे स्टेडियम

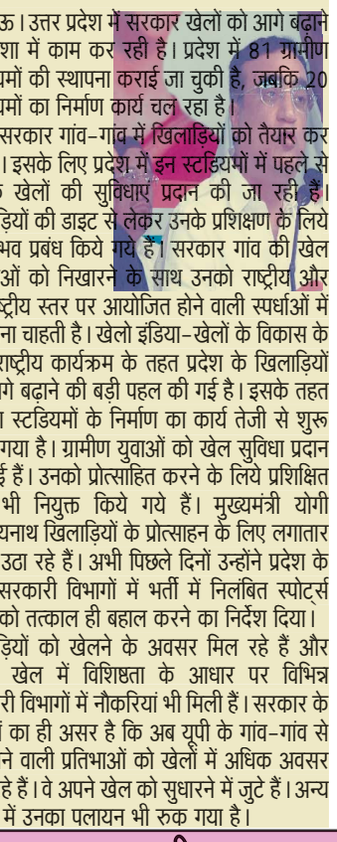

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सरकार खेलों को आगे बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। प्रदेश में 81 ग्रामीण स्टेडियमों की स्थापना कराई जा चुकी है, जबकि 20 स्टेडियमों का निर्माण कार्य चल रहा है। राज्य सरकार गांव-गांव में खिलाड़ियों को तैयार कर रही है। इसके लिए प्रदेश में इन स्टेडियमों में पहले से अधिक खेलों की सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। खिलाड़ियों की डाइट से लेकर उनके प्रशिक्षण के लिये हर संभव प्रबंध किये गये हैं। सरकार गांव की खेल प्रतिभाओं को निखारने के साथ उनको राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली स्पर्धाओं में चमकाना चाहती है। खेलो इंडिया-खेलों के विकास के लिये राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत प्रदेश के खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने की बड़ी पहल की गई है। इसके तहत ग्रामीण स्टडियमों के निर्माण का कार्य तेजी से शुरू किया गया है। ग्रामीण युवाओं को खेल सुविधा प्रदान की गई हैं। उनको प्रोत्साहित करने के लिये प्रशिक्षित कोच भी नियुक्त किये गये हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए लगातार कदम उठा रहे हैं। अभी पिछले दिनों उन्होंने प्रदेश के सभी सरकारी विभागों में भर्ती में निलंबित स्पोर्ट्स कोटा को तत्काल ही बहाल करने का निर्देश दिया। खिलाड़ियों को खेलने के अवसर मिल रहे हैं और उनको खेल में विशिष्टता के आधार पर विभिन्न सरकारी विभागों में नौकरियां भी मिली हैं। सरकार के प्रयासों का ही असर है कि अब यूपी के गांव-गांव से निकलने वाली प्रतिभाओं को खेलों में अधिक अवसर मिल रहे हैं। वे अपने खेल को सुधारने में जुटे हैं। अन्य प्रदेशों में उनका पलायन भी रुक गया है।

राजस्थान में बढ़ी सियायी हलचल, सचिन पायलट ने प्रियंका गांधी से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पंजाब की उलझन सुलझाने के बाद अब कांग्रेस आलाकमान की नजरें राजस्थान पर है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच लगातार विवाद की खबरें रहती है। आलाकमान के लिए राजस्थान के इस विवाद को सुलझाना एक बड़ी चुनौती है। इन सबके बीच खबर यह है कि सचिन पायलट फिलहाल दिल्ली में है। दरअसल, सचिन पायलट मंगलवार शाम दिल्ली पहुंच गए और उसी दिन राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी अजय माकन जयपुर पहुंचे। इसके बाद से राजस्थान को लेकर सियासत गर्म हो गई। खबर यह भी है कि सचिन पायलट ने पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और प्रियंका गांधी से मुलाकात की है। सचिन पायलट ने आलाकमान को साफ कह दिया है कि उनसे किए गए वादों में काट छांट ना की जाए।

सूत्र बता रहे हैं कि सचिन पायलट अभी दिल्ली में ही रहेंगे। राजस्थान में अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच चल रहे विवाद के बीच एक दूसरे पर दबाव बनाने की पुरजोर आजमाइश भी की जा रही है। लेकिन अब राजस्थान का सियासी दंगल दिल्ली दरबार में दस्तक दे चुका है जहां पूरा का पूरा मामला अब आलाकमान पर जा टिका है। आलाकमान यह मानकर चल रहा है कि पंजाब के बाद राजस्थान का भी मुद्दा जल्द ही सुलझा लिया जाएगा। पायलट बनाम गहलोत विवाद को सुलझाने के लिए पार्टी रणनीति बनाने में जुटी हुई है। पायलट को संतुष्ट करने के लिए आलाकमान चरणबद्ध तरीके से आगे भी बढ़ रहा है। सचिन पायलट की मांग है कि उनके खेमे के कम से कम 6 विधायकों को मंत्री बनाया जाए। हालांकि अशोक गहलोत इतने पर राजी नहीं हैं। लेकिन जिस तरह से सचिन पायलट ने प्रियंका गांधी और कैसे केसी वेणुगोपाल से मुलाकात की है। उसके बाद से ऐसा लगता है कि अशोक गहलोत पर दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है।

राजस्थान के प्रभारी अजय माकन फिलहाल राज्य के दौरे पर हैं। माना जा रहा है कि अजय माकन दो दिनों तक राजस्थान में रहेंगे और गहलोत मंत्रिमंडल के प्रस्तावित विस्तार और पार्टी में फेरबदल को लेकर मंथन करेंगे। साथ ही साथ 119 विधायकों से मुलाकात करेंगे और वन-टू-वन उनका फीडबैक भी लेंगे। फीडबैक लेने के बाद ही वह सचिन पायलट से भी मुलाकात करेंगे और पार्टी की ओर से जिस रणनीति के तहत आगे बढ़ा जा रहा है उसे अंतिम मुकाम तक पहुंचाएंगे।

ममता बनर्जी ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से की मुलाकात, सड़क परियोजनाओं समेत कई मुद्दों पर हुई चर्चा

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इन दिनों दिल्ली दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने विपक्षी दलों के नेताओं के साथ भी मुलाकात की। हालांकि गुरुवार को ममता बनर्जी केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के आवास पहुंचीं। जहां उन्होंने नितिन गडकरी से मुलाकात की। इस दौरान ममता बनर्जी ने उद्योग और सड़क निर्माण से जुड़े मुद्दे पर चर्चा की।

ममता बनर्जी ने बताया कि उन्होंने नितिन गडकरी से सड़कों के निर्माण के विषय पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि हमारा राज्य बांग्लादेश, नेपाल, भूटान और पूर्वोत्तर राज्यों के साथ सीमा साझा करता है। इसलिए हमें उचित सड़कों की आवश्यकता है।

गौरतलब है कि ममता बनर्जी ने 27 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने वैक्सीन, बंगाल का नाम बदलने समेत कई मुद्दों पर चर्चा की थी। इसके अलावा उन्होंने सोनिया गांधी, आनंद शर्मा, कमलनाथ, अभिषेक मनु सिंघवी, अरविंद केजरीवाल समेत कई विपक्षी दलों के नेताओं के साथ मुलाकात की।

फिर चांद पर रखेंगे कदम! चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण को लेकर सरकार ने दी अहम जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोरोना महामारी के बीच केंद्र सरकार ने इस बात के संकेत दे दिए हैं कि चंद्रयान-3 का प्रक्षेपण 2022 में हो सकता है। सरकार की ओर से लोकसभा में केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि चंद्रयान-3 का प्रक्षेपण 2022 की तीसरी तिमाही में होने की संभावना है। लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि महामारी के दौर में अनलॉक की अवधि आरंभ होने के बाद अब सामान्य कार्य आरंभ हो गए हैं। ऐसे में इस बात की उम्मीद की जा सकती है कि चंद्रयान-3 का प्रक्षेपण 2022 की तीसरी तिमाही में हो सकता है। इसके लिए कार्य प्रगति पर है। प्रक्षेपण में देरी को लेकर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वर्क फ्रॉम होम की वजह से कामकाज की रफ्तार में कमी आई थी। अब जब सबकुछ सामान्य हो रहा है ऐसे में इसके काम में तेजी देखी जा सकती है। जितेंद्र सिंह ने आगे कहा कि चंद्रयान-3 के कार्य में आकृति को अंतिम रूप दिया जाना, उप-प्रणालियों का निर्माण, समेकन, अंतरिक्ष यान स्तरीय विस्तृत परीक्षण और पृथ्वी पर प्रणाली के निष्पादन के मूल्यांकन के लिए कई विशेष परीक्षण जैसी विभिन्न प्रक्रियाएं शामिल हैं। सिंह ने बताया कि कार्य की प्रक्रिया कोविड-19 महामारी के कारण बाधित हो गई थी। अनलॉक अवधि आरंभ होने के बाद चंद्रयान-3 पर कार्य फिर से आरंभ हो गया और अब यह कार्य संपन्न होने के अग्रिम चरण में है। हालांकि केंद्रीय मंत्री ने यह जरूर कहा कि जितना काम वर्क फ्रॉम होम मोड में हो सकता था उतनी करने की कोशिश की गई है।

केंद्रीय राज्य मंत्री बोले, 2024 में खेला नहीं मोदी का मेला होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्र सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिकता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि 2024 में खेला नहीं सत्ता के लिए मोदी का मेला होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2024 में एनडीए की सरकार बनने से दुनिया की कोई ताकत रोक नहीं सकती। चाहे ममता बनर्जी के नेतृत्व में कितने ही राजनीतिक दल एकजुट क्यों न हो जाएं?

रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय राज्य मंत्री आठवले ने राजनीतिक दलों को एकजुट करने की ममता बनर्जी की मुहिम पर मीडिया से प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, ममता के साथ सब लोग एक साथ आओ, लोकिन मोदी का मुकाबला करने की ममता बनर्जी में हिम्मत नहीं है। बंगाल में बीजेपी 3 से 77 सीटों पर पहुंची , वहां खेला इसलिए हुआ, क्योंकि कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टी ने वोट ही नहीं काटा। जिससे बीजेपी को नजदीकी मुकाबले में कई सीटों का नुकसान झेलना पड़ा। केंद्रीय मंत्री ने संसद में जारी गतिरोध को लेकर कहा कि पूरा देश देख रहा है कि विपक्ष सदन में चर्चा नहीं कर रहा है। ये लोग रोज हंगामा कर रहे हैं। चेयर के पास जा रहे हैं। मेरा मानना है कि नियम आना चाहिए कि तीन दिन तक हंगामा ठीक है, चौथे दिन सीट छोड़कर हंगामा करने पर सदस्यों के दो साल तक सस्पेंड करने का नियम होना चाहिए। इससे सदन में हंगामा रोकने में मदद होगी। नरेंद्र मोदी की सरकार चर्चा के लिए तैयार है। अपोजिशन को भी बात रखने का अधिकार है। केंद्रीय राज्य मंत्री आठवले ने कहा कि महाराष्ट्र में बाढ़ पीड़ितों की कैंप लगाकर मदद के लिए गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखूंगा। राज्य सरकार को हुए नुकसान की पूरी जानकारी केंद्र सरकार को देना चाहिए। महाराष्ट्र के पहाड़ी एरिया के गांवों का सर्वे होना चाहिए। ताकि खतरे की आशंका पर उन्हें सुरक्षित स्थान पर किया जाए।

सीएए के नाम पर दंगा-फसाद करने के दस फीसदी मामलों में पुलिस ने अंतिम रिपोर्ट दाखिल कर दी

लखनऊ। (एजेंसी)।

नगिरकता संशोधन अधिनियम 2019 (सीएए) के खिलाफ हुए प्रदर्शन और हिंसा के बाद योगी सरकार ने सार्वजनिक सम्पति को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करके खूब वाहवाही लूटी थी। पुलिस ने भी सरकार की मंशा के अनुरूप दंगाइयों पर कार्रवाई करने में हिचक नहीं दिखाई थी,लेकिन साढ़े डेढ़ वर्ष के पश्चात भी 10 प्रतिशत मामलों में पुलिस चार्जशीट ही नहीं लगा पाई और जांच की जगह पुलिस ने अंतिम रिपोर्ट दाखिल कर दी है। सबसे ज्यादा मामलों में मेरठ जोन में अंतिम रिपोर्ट लगाई गई है। करीब डेढ़ साल बीतने के बाद भी पुलिस अब तक सिर्फ 72 प्रतिशत मामलों में आरोप पत्र दाखिल कर पाई है। डीजीपी मुख्यालय के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सीएए के खिलाफ हुए प्रदर्शन और हिंसा के मामले में यूपी में कुल 510 मामले दर्ज किए गए थे। इनमें से पुलिस अभी तक 369 मामलों में चार्जशीट दाखिल कर पाई है। जबकि जांच के दौराल गलत पाए जाने पर पुलिस ने 51 मामलों में अंतिम रिपोर्ट दाखिल कर दी है। इनमें से सबसे ज्यादा 23 मामलों में फाइनल रिपोर्ट लगाई गई हैं। इसके अलावा बरेली जोन में सात, कानपुर कमिश्नरेट में तीन, प्रयागराज जोन में दो, कानपुर जोन व कमिश्नरेट वाराणसी में एक-एक मामले में एफआर लगाई गई है।

सीएए के खिलाफ प्रदर्शन व हिंसा के सबसे ज्यादा 105 मामले आगरा जोन में दर्ज हुए थे। इसके बाद दूसरे नंबर पर मेरठ जोन में 104 मामले, बरेली जोन में 92, लखनऊ कमिश्नरेट में 63, प्रयागराज जाने में 48, कानपुर कमिश्नरेट ममें 23, लखनऊ जोन में 19, गोरखपुर जोन में 17, वाराणसी जोन में 15, कानपुर जोन में 12 और वाराणसी कमिश्नरेट में भी 12, मामले दर्ज नहीं किया गया था। सीएए खिलाफ दर्ज हुए 510 मामलों में 4150 लोगों को अभियुक्त बनाया गया था। जबकि 4223 अभियुक्तों के नाम जांच में सामने आए। पुलिस की जांच में 890 की नामजदगी गलत पाई गई।बहरहाल, ऐसा लगता है कि समय के साथ अब योगी सरकार भी सीएए के खिलाफ धरना-प्रदर्शन और दंगा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के मूड में नहीं है। क्योंकि अब यह चुनावी मसला ही नहीं रह गया है।

महाराष्ट्र में भीषण बारिश से मचे कोहराम से 213 लोगों की मौत, सैकड़ों लापता

मुंबई। (एजेंसी)।

महाराष्ट्र में पिछले सप्ताह हुई बारिश से संबंधित घटनाओं में मरने वालों की संख्या बुधवार को बढ़कर 213 हो गई, जिसमें केवल रायगढ़ जिले में लगभग 100 मौतें हुई है। राज्य सरकार ने यह जानकारी दी। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि आठ लोग अब भी लापता हैं। बीस जुलाई से भारी बारिश के कारण महाराष्ट्र के कई हिस्सों में, विशेष रूप से तटीय कोंकण और पश्चिमी जिलों में भारी बाढ़ और भूस्खलन हुआ है।

आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि 213 मौतों में से रायगढ़ जिले में सबसे अधिक 95, सतारा में 46, रत्नागिरि में 35, ठाणे में 15, कोल्हापुर में सात, मुंबई में चार, पुणे में तीन, सिंधुदुर्ग में चार और पूर्वी महाराष्ट्र के वर्धा और अकोला जिले में दो-दो लोगों की मौत हुई। बयान में कहा गया है कि आठ लोग अब भी लापता हैं जबकि 52 घायलों का विभिन्न सरकारी और निजी अस्पतालों में इलाज चल रहा है। रायगढ़, सतारा और रत्नागिरि जिलों में अधिकांश मौतें भूस्खलन के कारण हुईं, जबकि बाढ़ ने कोल्हापुर और सांगली में कई लोगों की जान ले ली। इसमें कहा गया है कि एक जून से अब तक महाराष्ट्र में बारिश से संबंधित घटनाओं में 300 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। बयान के अनुसार बाढ़ में कुल 61,280 पालतू जानवर भी मारे गए, जिनमें से अधिकांश सांगली, कोल्हापुर, सतारा और सिंधुदुर्ग जिलों में हैं। बयान में कहा गया है कि अकेले सांगली जिले में 2,11,808 सहित 4,35,879 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

बिहार विधानसभा में गूंजा जनसंख्या नियंत्रण कानून का मुद्दा, भाजपा और जदयू एक साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश में जनसंख्या नियंत्रण कानून का मुद्दा गरमाया हुआ है। असम और उत्तर प्रदेश की सरकारों ने इससे जुड़े कानून भी पेश करने की बात कही है। इन सबके बीच बिहार विधानसभा में भी जनसंख्या का मामला उठा है। जनसंख्या नियंत्रण कानून की गूंज बिहार विधानसभा में भी सुनाई दी। कई विधायकों ने मांग की है कि 2 बच्चों वाला प्रावधान बिहार में भी लागू किया जाए। साथ ही साथ जनसंख्या पर 1999 की करुणाकरण कमेटी के सुझावों को भी लागू किया जाए। खास बात तो यह रही कि बिहार विधानसभा में ऐसा पहली बार हुआ जब भाजपा और जदयू के विधायकों ने एक साथ मुखर होकर जनसंख्या पर कानून बनाने की बात कही है। भाजपा विधायक विजय कुमार खेमका, अवधेश सिंह ने जनसंख्या नियंत्रण कानून की मांग की तो वही जदयू के विनय चौधरी ने इसका समर्थन किया।

विजय खेमका ने कहा कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि सरकार उनकी मांगों को जरूर सुनेगी। जनसंख्या नियंत्रण पर कानून बनना चाहिए। हालांकि जदयू की ओर से कहा गया कि जनसंख्या पर कानून के साथ-साथ जागरूकता अभियान भी चलाया जाना चाहिए और नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार कुछ ऐसा ही कर रही है। हालांकि बिहार में एक समय ऐसा आया था जब जनसंख्या नियंत्रण कानून को लेकर जदयू और भाजपा आमने-सामने हो गई थी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा था कि जनसंख्या नियंत्रण को लेकर केवल कानून बनाकर नहीं बल्कि महिलाओं को पूरी तरह शिक्षित कर प्रजनन दर को कम किया जा सकता है। जनसंख्या नियंत्रण को लेकर ठोस कानून के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में नीतीश ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण के लिये अगर सिर्फ आप कानून बनाकर उसका उपाय करेंगे तो ये संभव नहीं है।

दूसरी ओर बिहार के उपमुख्यमंत्री रेणु देवी ने अपने मुख्यमंत्री की राय से अलग राय रखी थी। रेणु देवी और नीतीश कुमार की राय जनसंख्या नियंत्रण कानून को लेकर अलग-अलग है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा जनसंख्या नीति के ऐलान को रेणु देवी ने सराहनीय बताया था। रेणु देवी ने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश की तुलना में बिहार में प्रजनन दर अधिक है इसलिए यहां भी जनसंख्या नियंत्रण कानून बनना चाहिए। रेणु देवी ने कहा की जनसंख्या नियंत्रण के लिए पुरुषों को भी जागरूक करना ज्यादा जरूरी है। अपने बयान में रेणु देवी ने यह भी कहा कि पुरुषों के अंदर जनसंख्या नियंत्रण करने के लिए नसबंदी को लेकर काफी डर की स्थिति है। बिहार के कई जिलों में तो नसबंदी की दर 1 फ़ीसदी से भी कम है। रेणु देवी ने अपने बयान में यह भी कहा कि अक्सर देखा जाता है कि बेटे की चाहत में पति और ससुराल वाले महिला पर अधिक बच्चा पैदा करने का दबाव बनाते हैं जिससे परिवार का आकार बड़ा होता जाता है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)